मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, सोमवार, 8 जून 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 8 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 264, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने मायने क्या हैं?
अमिताभ बच्चन ने बताई जीवन में समस्याओं की अहमियत ◀◀ 6

इजरायल-ईरान में फिर छिड़ा भीषण युद्ध

आईडीएफ ने पेट्रोकेमिकल संयंत्र और सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

तेहरान: ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्धविराम के बीच इजरायल ने सोमवार को दक्षिण-पश्चिम ईरान में एक प्रमुख पेट्रोकेमिकल संयंत्र और कई अन्य सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। दो महीने पहले हुए युद्धविराम के बाद ईरान के भीतर किसी ऊर्जा स्थल पर यह पहला इजरायली हमला है। इजरायली सेना (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि उसकी वायुसेना ने माहशहर पेट्रोकेमिकल परिसर के कई ठिकानों को निशाना बनाया है, जिससे संयंत्र को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इससे पहले रविवार को इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरुत के दक्षिणी उपनगर (दहियाह) में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भीषण बमबारी की थी, जिसे इजरायल ने हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों का जवाब बताया। इसके तुरंत बाद, ईरान और यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर सिलसिलेवार मिसाइलें दागीं।

पारिवारिक विवाद में पिता ने की तीन बेटियों की निर्मम हत्या, गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

गिरिडीह: जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तुरुकडीहा गांव में एक पिता ने अपनी ही तीन बेटियों की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। सोमवार सुबह हुई इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और लोग इस घटना से स्तब्ध हैं।

जानकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान नंदू यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह किसी बात को लेकर वह अचानक गुस्से में आ गया। इसके बाद उसने घर में मौजूद अपनी तीनों बेटियों पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में तीनों बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसडीपीओ जीतबाहन उरांव और मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और आरोपी पिता नंदू यादव को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार को भी जब्त कर लिया है। वहीं तीनों बच्चियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एसडीपीओ जीतबाहन उरांव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

टीएमसी नेता जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

अवैध वसूली का आरोप, देश छोड़ने की कोशिश में थे, फालता सीट से लड़ा था चुनाव

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के नेता जहांगीर खान को 'जबरन वसूली' के आरोप में सोमवार को उत्तर बंगाल में भारत-नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने खान को गिरफ्तारी से दी गई अंतरिम सुरक्षा 26 मई को वापस ले ली थी। खान के खिलाफ दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा थाने में सात प्राथमिकी दर्ज हैं।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, "खान को उत्तर बंगाल में भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।" हालांकि पुलिस ने गिरफ्तारी के संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। खान 21 मई को फाल्टा विधानसभा उपचुनाव में चौथे स्थान पर रहे थे। हालांकि, उन्होंने चुनाव से कुछ दिन पहले अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की थी, लेकिन नाम वापस लेने की अवधि समाप्त हो चुकी थी इसीलिए उनका नाम ईवीएम में दर्ज रहा।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने खान को मिली अंतरिम सुरक्षा वापस

ली: इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने खान के खिलाफ दर्ज कई आपराधिक मामलों में पुलिस की किसी भी सख्त कार्रवाई से उन्हें मिली अंतरिम सुरक्षा वापस ले ली थी। कोर्ट ने 18 मई को खान को सख्त कार्रवाई से राहत दी थी, लेकिन बाद में इसे रद्द कर दिया गया। जजों ने कहा कि राज्य में राजनीतिक स्थिति में बदलाव और याचिकाकर्ता द्वारा राजनीतिक बदले की भावना के दावों के कारण ऐसी सुरक्षा जारी रखना उचित नहीं होगा।

खान के वकील किशोर दत्ता ने कोर्ट में तर्क दिया कि 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद उनके मुवक्किल के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। उन्होंने दावा किया कि ये मामले राजनीतिक बदले की भावना का नतीजा थे और कहा कि सुरक्षा न केवल चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी थी, बल्कि खान को कथित उत्पीड़न से बचाने के लिए भी थी। दूसरी ओर, अतिरिक्त महाधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले दी गई सुरक्षा केवल खान को 21 मई को फाल्टा में हुए दोबारा मतदान (रीपोल) में भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए थी, जिसके नतीजे 24 मई को घोषित किए गए थे।

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में फाल्टा विधानसभा उपचुनाव (रीपोल) के बीच एक बड़ी राजनीतिक घटनाक्रम में, जहांगीर खान ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जो पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा झटका था। उन्होंने कहा कि दौड़ से हटने का फैसला फाल्टा के लोगों की भलाई के लिए लिया गया था। खान ने कहा, मैं फाल्टा का बेटा हूं और चाहता हूं कि फाल्टा शांतिपूर्ण रहे और तरक्की करे। हमारे मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी फाल्टा के विकास के लिए एक विशेष पैकेज दे रहे हैं, इसलिए मैंने निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा मतदान प्रक्रिया से दूर रहने का फैसला किया है।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप कई इमारतें गिरीं, अब तक 8 लोगों की मौत

नई दिल्ली: फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इस शक्तिशाली भूकंप के चलते कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। भूकंप के चलते कई लोगों की मौत की खबर भी सामने आ रही है। पुलिस ने अब तक 8 लोगों के शव बरामद होने की पुष्टि की है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। इसका केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास जमीन से लगभग 35 किलोमीटर नीचे स्थित था। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स)

ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही। भूकंप के बाद मिंडानाओ द्वीप के छह इलाकों में सुनामी की लहरें भी दर्ज की गईं। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया।

ट्रक से टकराई पर्यटकों से भरी बस, उड़े परखच्चे, 3 की मौत

पटना: बिहार के औरंगाबाद जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में देव मोड़ के समीप सोमवार तड़के एक पर्यटक बस और ट्रक टेलर के बीच हुई टक्कर में तीन पर्यटकों की मौत हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गए। इस घटना के बाद मौके पर कोहराम मच गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पर्यटकों से भरी बस बोधगया से उत्तर प्रदेश के काशी जा रही थी। इसी दौरान देव मोड़ गांव के पास ओवरटेक करने के क्रम में बस की ट्रक टेलर से टक्कर हो गई। दुर्घटना में बस पर सवार तीन पर्यटकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान आंध्र प्रदेश के नेल्लूर जिले के संगमा गांव निवासी हजरतया, फातमावती तथा पशुलेट वेंकटेश के रूप में की गई है।

औरंगाबाद सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आशुतोष कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घायलों को औरंगाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल आठ पर्यटकों को बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया रेफर कर दिया गया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

महिला कैदी यौन शोषण मामला

हाईकोर्ट ने ज्यूडिशल इंक्वायरी व मेडिकल रिपोर्ट पेश करने को कहा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंदी महिला से यौन उत्पीड़न मामले में दर्ज स्वतः संज्ञान पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई। जहां मामले में राज्य सरकार के की ओर से अदालत को यह बताया गया कि मामले की जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए 3 दिनों में जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश किया गया ह। जहां बताया गया कि पूरे मामले की जांच की गई। मामला पूरी तरह अफवाह है। जिस बंदी महिला से जुड़ी घटना की बात की जा रही है उसने लिखित में बयान देकर यह कहा है कि उसके साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। वहीं अदालत को बताया गया कि महिला को वेकेशन कोर्ट से जमानत भी मिल गई ह।

कोर्ट ने कहा सबको दिया जा रहा क्लीन चीट: यह सुनकर खंडपीठ ने कड़ी नाराजगी जताई। खंडपीठ ने कहा कि यह तो ऐसे हैं जैसे सबको क्लीन चीट दिया जा रहा हो। अदालत ने अंदेशा जताया कि महिला बंदी को जेल से छोड़ने के बदले उसका स्वीकारोक्ति बयान लिया गया हो। इसमें साफ जाहिर हो रहा है कि सब को क्लीन चीट दिया जा रहा है। वहीं अदालत ने कहा कि जब मामला इतना संवेदनशील है और जांच की प्रक्रिया चालू है ऐसे में खंडपीठ को यह जानकारी देनी चाहिए थी। वहीं इजाजत भी लेने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मेडिकल रिपोर्ट पेश नहीं करने पर जतायी नाराजगी: अदालत ने मेडिकल रिपोर्ट पेश नहीं किए जाने पर भी नाराजगी जतायी। अदालत ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलें में अब तक मेडिकल रिपोर्ट पेश नहीं की गई है। जहां राज्य सरकार के अधिवक्ता की ओर से बताया गया की जमानत मिलने के कारण देरी हो रही है। अदालत ने ज्यूडिशल इंक्वेरी की रिपोर्ट और मेडिकल रिपोर्ट अगली सुनवाई तक अदालत में पेश करने को कहा। अगली सुनवाई 17 जून निर्धारित की गई है।

2020 से बोकारो से लापता नाबालिग का मामला

हाईकोर्ट ने केस सीबीआई को सौंपने का दिया निर्देश

नाबालिग की मां द्वारा दायर हेबियस कॉर्पस याचिका पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

रांची: बोकारो से अक्टूबर 2020 से लापता 14 वर्षीय नाबालिग के मामले में मां उषा झा द्वारा दायर हेबियस कॉर्पस याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद एवं न्यायाधीश प्रदीप श्रीवास्तव की खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीआईडी एवं पिंड्राजोड़ा थाना में दर्ज मामले के अनुसंधानकर्ता अदालत में सशरीर उपस्थित रहे। मौके पर बोकारो एसपी और एसआईटी टीम भी मौजूद रही।

अप्रैल में एसआईटी को सौंपा गया था मामला: राज्य सरकार के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में मामले की जांच के लिए केस एसआईटी को हस्तांतरित किया गया था। इस पर एसआईटी की ओर से बताया गया कि 5 मई को केस दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है। मौके पर उपस्थित एसआईटी इंस्पेक्टर से अदालत ने पूछा कि अब तक मामले में क्या जांच की गई है।

केस डायरी पर कोर्ट ने जताई नाराजगी: अदालत ने केस डायरी देखने के बाद टिप्पणी की कि स्थानीय पुलिस ने अपने अनुसंधान में जो बातें दर्ज की थीं, लगभग वही बातें एसआईटी की केस डायरी में भी पाई गई हैं। खंडपीठ ने कहा कि आखिर ऐसी स्थिति में मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को क्यों नहीं सौंप दी जानी चाहिए।

सीआईडी एडीजी तलब: इस पर राज्य सरकार के अधिवक्ता ने अदालत से आग्रह किया कि सरकार इस संबंध में सीबीआई से आवश्यक परामर्श करना चाहती है। इसके बाद अदालत ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने पर निर्णय लेने से पहले सीआईडी के एडीजी को तलब किया।

खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि काफी समय बीत चुका है, लेकिन पुलिस और सीआईडी दोनों के हाथ अब तक खाली हैं। ऐसी स्थिति में मामले के खुलासे को लेकर अब सीबीआई से ही उम्मीद की जा सकती है।

9 जून को होगी अगली सुनवाई: अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार, 9 जून को निर्धारित की है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सीआईडी एडीजी अदालत के समक्ष क्या पक्ष रखते हैं और मामले की जांच को लेकर आगे क्या फैसला लिया जाता है।

पीसीसी पथ, लैम्पस भवन, उप स्वास्थ्य केन्द्र व सामुदायिक अस्पताल के निर्माण कार्य का विधायक ने किया उद्घाटन

मुरीः सिल्ली विधायक अमित महतो की उपस्थिति में सिल्ली के दक्षिणी बन्ता में बुजुर्ग महिला मो समीरून खातुन के करकमलों से दो किमी के पीसीसी पथ मरम्मत कार्य का शिलान्यास किया गया, जिसमें दक्षिणी बन्ता के मुखिया गंगा नरायण सिंह मुंडा,सिल्ली मुखिया भरत मुंडा, राकेश मांझी, निर्रभय मांझी, राहुल कईरी, असरफ खान, केशव कुमार आदि उपस्थित थे। सड़क निर्माण को लेकर विधायक ने कहा कि काफी लम्बे समय से सड़क मरम्मत की मांग थी। यहां के ग्रामीण इससे लभान्वित होगें। भविष्य में भी हेमन्त सोरेन सरकार की योजना सिल्ली के धरातल पर लाने का प्रयासरत है। राहे प्रखंड के ठुंगरू डीह नवाडीह पंचायत में 100 मैट्रिक टन क्षमता लैम्पस(गोदाम) निर्माण का शिलान्यास मो सम्पत्ति देवी,मो पोदोबाला देवी, शिवटंगरा में सामुदायिक अस्पताल,मो बिरो देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मो बिन्दु देवी ने 800 मी का पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। राहे प्रखंड जेएमएम अध्यक्ष पशुपति अहीर,जेएमएम उपाध्यक्ष सनातन मुंडा, जैसे गांव के सम्मानित लोग पहुंचे थे।

ताम्बुली हितैषी समिति का सम्मेलन संपन्न

मुरीः देवाशीष दत्ता द्वारा संचालित ताम्बुली हितैषी समिति का समाजिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता अशोक चौधरी ने की। मंच पर समिति के न्यासकर्ता अरून बरन सिंह, बंदेश आस, खोखन हलधर, और सुभाष दत विराजमान थे। समाज के होनहार छात्र- छात्राएं जो मैट्रिक और इंटर मीडीएट में अच्छे अंक से पास किए ,उनको सम्मानित किया गया। मौके पर राजा चौधरी, सुभाष दता, कृष्णा चौधरी, प्रदीप लामा,, महादेव चौधरी, बैधनाथ दता, गणेश चौधरी, सौरभ आश, राहुल आस, राम चौधरी, शत्रुघ्न चौधरी, बाबुल चौधरी, बिमल दे, सुमन दे, सुरज चौधरी, सनुप आश, मयुर लामा, सुभोदन लाहा, बन्धन महादानी, सुरेश लाहा, किशन आस, उपस्थित थे।

45 घंटे से लापता युवक का शव नदी के बालू में मिला दफन, अपहरण कर हत्या का आरोप

चतराः जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के गड़िया गांव से 45 घंटे पहले लापता हुए युवक प्रमोद कुमार (18 वर्ष) का शव रविवार की देर रात बुढ़िया माड़र नदी के बालू में गड़ा हुआ बरामद किया गया। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने अपहरण कर हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।परिजनों के अनुसार गड़िया निवासी प्रमोद कुमार शनिवार शाम से घर से लापता था। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने रविवार को राजपुर थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शनिवार और रविवार को दिन भर ग्रामीण और पुलिस की टीम जंगल, नदी-नालों में युवक की तलाश करती रही। रविवार की रात बुढ़िया माड़र नदी के किनारे बालू में कुछ दबा होने का आभास हुआ। खुदाई करने पर युवक का शव बरामद हुआ।मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। परिजनों का आरोप है कि प्रमोद का अपहरण कर हत्या की गई और साक्ष्य मिटाने के लिए शव को नदी के बालू में गाड़ दिया गया। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित परिजनों ने हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।सूचना मिलते ही राजपुर थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया। एसपी अनिमेष नैथानी ने पीटीआई को बताया कि ₹प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

बेकार पड़ा है करोड़ों की लागत से बना अधिकारी आवास

पलामू : जिले के पाटन प्रखंड परिसर में निर्मित दो मंजिला नवनिर्मित अधिकारी आवास पिछले एक वर्ष से बंद पड़ा है। बिजली और पानी सहित अन्य आवासीय पूर्ण व्यवस्था होने के बावजूद इस सरकारी भवन में कोई रहने वाला नहीं है नतीजतन ताला लटक रहा है। राज्य सरकार के सख्त नियमों के अनुसार सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों और कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से प्रखंड मुख्यालय में ही निवास करना है। इसके बावजूद बीडीओ, सीओ, सीडीपीओ और पशुपालन विभाग के अधिकारी जिला मुख्यालय मेदिनीनगर या अपने निजी घरों से प्रतिदिन आवागमन कर रहे हैं। इस मनमानी के कारण जहां करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है, वहीं सुदूर क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नियमों का हो रहा पूरी तरह से उल्लंघनः सरकारी नियमों और जांच के डर से बचने के लिए पूर्व में कुछ अनोखे तरीके भी अपनाये गये। जब सरकार के आदेश के बाद जिला के वरीय पदाधिकारियों ने दबाव बनाया तो पूर्व बीडीओ सोमनाथ बनर्जी ने प्रशासनिक कार्रवाई और जिला स्तरीय अधिकारियों के औचक निरीक्षण से बचने के लिए पाटन में किराये पर एक कमरा ले रखा था। हालांकि, वह इस कमरे में कभी रुके नहीं और इसका उपयोग केवल जांच के दौरान दिखावे के लिए किया जाता था।वर्तमान समय में करोड़ों की लागत से तैयार इस चार इकाई वाले आधुनिक शासकीय परिसर को पूरी तरह उपेक्षित छोड़ दिया गया है, जो सीधे तौर पर नियमों की अनदेखी को दर्शाता है।

अधिकारियों की अनुपस्थिति से ग्रामीण परेशान, कामकाज ठप : अधिकारियों के प्रखंड मुख्यालय में न रहने के कारण कार्यालय में उनके आने और जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है। पाटन प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से आने वाले ग्रामीण दिनभर कार्यालय परिसर में इंतजार करने के बाद शाम को निराश होकर खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र या अन्य आवश्यक राजस्व संबंधी साधारण कार्यों के लिए भी जनता को एक सप्ताह से अधिक समय तक भटकना पड़ रहा है।

जवाबदेही का अभाव बढ़ रहा है जन असंतोषः इस प्रशासनिक अव्यवस्था को देखने या सुनने वाला कोई नहीं है।स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जब वे इस अनियमितता को लेकर अधिकारियों से सवाल करते हैं, तो उन्हें संतोषजनक उत्तर देने के बजाय प्रताड़ित किया जाता है।अधिकारियों द्वारा यह तक कह दिया जाता है कि उनका कोई मालिक नहीं है और ग्रामीणों को पूछताछ करने का कोई अधिकार नहीं है।

नितिन नवीन ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का दिया मंत्र

2029 के लिए अभी से जुटने का आह्वान

संवाददाता

रांचीः भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने झारखंड दौरे के दौरान पार्टी कार्यकताओं को वर्ष 2029 के चुनावों की तैयारी अभी से शुरू करने का संदेश दिया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि वर्तमान संगठनात्मक टीम का गठन 2029 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया गया है और यही टीम आगामी चुनावों का नेतृत्व करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा झारखंड का मजबूत राजनीतिक आधार रही है और भविष्य में भी राज्य में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनेगी। पिछले चुनावों के अनुभवों से सीख लेते हुए बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से निराशा छोड़कर नए उत्साह के साथ संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया।

नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, जिसके करोड़ों सदस्य और लाखों सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक नियमित बैठकों, बूथ सशक्तिकरण, शक्तिकेंद्रों की सक्रियता व प्रत्येक मंडल में कम से कम 100 सक्रिय कार्यकताओं की टीम तैयार करने पर जोर दिया। साथ ही वरिष्ठ और पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मानपूर्वक संगठन से जोड़ने तथा नियमित प्रवास और संवाद अभियान चलाने के निर्देश दिए।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की झामुमो-कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और जनहित के मुद्दों पर विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर आंदोलन चलाने का आह्वान किया। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि नितिन नवीन का दौरा संगठन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। बैठक में संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और प्रशिक्षण अभियानों की जानकारी प्रस्तुत की।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर हुई मौत

चतराः जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के बगरा रांची मुख्य पथ स्थित जबड़ा चेकनाका के पास शनिवार की शाम 5:30 बजे एक सड़क हादसे में दो युवको की मौके पर मौत हो गयी। मृतकों में दुंदुआ गांव निवासी गणेश भुइयां(18वर्ष) पिता मुखिया भुइयां व बसंत भुइयां(20 वर्ष) पिता मंगल भुइयां का नाम शामिल है।घटना के बाद 108 एंबुलेंस के माध्यम से दोनों युवकों को रेफरल अस्पताल सिमरिया लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया है। थाना प्रभारी सूर्यप्रताप सिंह ने बताया कि दोनो युवक जबड़ा बाजार गये हुए थे। बाजार से पेट्रोल पंप तेल भरवाने के बाद वापस लौट रहे थे। लौटने के क्रम में बाइक अनियंत्रित हो गया और चेकनाका के बोर्ड से टकरा गया और दोनो युवको की मौत हो गयी। बताया कि मृत दोनो युवक नशे में धुत थे और उन्होंने हेलमेट भी नहीं पहना था।

हाजी साबिर हुसैन के निधन पर रेड क्रॉस में शोक सभा

सदस्यों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

चतराः भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, चतरा के सक्रिय एवं समर्पित सदस्य हाजी साबिर हुसैन के निधन पर रविवार को रेड क्रॉस कार्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता रेड क्रॉस सोसाइटी चतरा के सचिव धर्मेन्द्र पाठक ने की। सभा की शुरूआत हाजी साबिर हुसैन की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर की गई। उपस्थित सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर रेड क्रॉस के सचिव धर्मेन्द्र पाठक ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हाजी साबिर हुसैन का निधन रेड क्रॉस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस ने केवल एक सक्रिय सदस्य ही नहीं, बल्कि एक अनुभवी मार्गदर्शक, अभिभावक और समाजसेवी व्यक्तित्व को खो दिया है। उनके अनुभव, सुझाव और संगठन के प्रति समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा। उनके निधन से हुई क्षति की भरपाई कभी संभव नहीं हो सकेगी।रेड क्रॉस के कोषाध्यक्ष गोपाल वर्मा ने कहा कि संगठन के कार्यों के दौरान जब भी किसी प्रकार की उलझन या समस्या सामने आती थी, तो हाजी साबिर हुसैन का मार्गदर्शन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनता था। उन्होंने हमेशा संगठन और समाजहित में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। उनका व्यक्तित्व सरल, सहयोगी और सेवा भावना से परिपूर्ण था। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

शोक सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने हाजी साबिर हुसैन के सामाजिक योगदान, मानवीय मूल्यों और रेड क्रॉस के प्रति उनकी निष्ठा को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।शोक व्यक्त करने वालों में रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन विवेक केशरी, मेडिकल इंचार्ज डॉ. विजय अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य संतन पांडेय, पंकज दूबे, चंद्रदेव गोप, जितेंद्र जैन, नशीरुद्दीन अंसारी, अजय चौरसिया, आकाश सिंह, रविन्द्र मित्तल, जावेद पप्पू रजा, रेड क्रॉस कर्मी रत्नेश कुमार, सुप्रिया कुमारी, सुमन कुमारी, विजय कुमार, मधुलता कुमारी, तापेश्वर प्रसाद सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

गर्भवती महिला और अजन्मे बच्चे की मौत मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

उपायुक्त के आदेश के बाद मेदांता हॉस्पिटल को किया गया सील

संवाददाता

चतराः शहर के बस स्टैंड में संचालित मेदांता हॉस्पिटल में इलाज के बाद गर्भवती महिला

चुकु गांव निवासी लाटो गंझू की 20 वर्षीय गर्भवती पत्नी बैजंती देवी व उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत के मामले में प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई किया है। मामला संज्ञान में आने के बाद उपायुक्त रवि आंनद के निर्देश पर गठित टीम ने आरोपी मेदांता हॉस्पिटल को सील कर दिया है। टीम में सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार को भेजा। टीम में अंचलाधिकारी अनिल कुमार व सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह शामिल थे। टीम में शामिल अधिकारियों ने देर शाम बस स्टैंड पहुंचकर पहले मेदांता हॉस्पिटल की जांच किया। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सक और कर्मी फरार पाए गए। मौके पर सिर्फ मकान मालिक मिले। जिन्होंने बताया कि किराए पर विकास यादव आदि को हॉस्पिटल चलाने के नाम पर घर दिया था। इस दौरान हॉस्पिटल में सिमरिया कसारी का रहने वाला एक मरीज राहुल भुईया भर्ती मिला। जिसे प्रशासन की टीम ने एंबुलेंस बुलाकर सदर अस्पताल में भेजकर भर्ती कराया। इसके बाद टीम ने हॉस्पिटल के वार्ड, ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर व मुख्य गेट पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया। टीम में शामिल उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने बताया कि मेदांता हॉस्पिटल में इलाज के बाद एक गर्भवती महिला की मौत का मामला सामने आया है। जांच के दौरान महिला के इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है। इसके बाद अस्पताल को सील कर दिया गया है।

मजदूर की करंट लगने से हुई दर्दनाक मौत

महाराष्ट्र के शोलापूर में धागा कंपनी में था कार्यरत

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के ग्राम पंचायत दंतार के परमाचक निवासी एक प्रवासी मजदूर संतोष पासवान पिता भुनेश्वर पासवान की हृदय विदारक घटना सामने आ रही है।भुनेश्वर राम के 35 वर्षीय बड़े पुत्र संतोष पासवान का पानीपत मे करंट लगने से शुक्रवार को मृत्यु हो गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वह काम करनें पानीपत गया था वहाँ से कंपनी के द्वारा पिछले 20 दिन पहले महाराष्ट्र के सोलापुर स्थित धागा मील में भेजा गया था जहाँ कार्य के दौरान इलेक्ट्रिक शॉक लगने से उसकी मृत्यु हो गई। इनके घर की आर्थिक हालात अत्यंत दयनीय है,जिसकी मजबूरी में वह मजदूरी करनें इतना दूर गया था। मृतक अपने पीछे बूढ़े माता - पिता, पत्नी ,चार बेटियाँ और दो बेटे को छोड़ कर चले गये।

डेड बॉडी को कंपनी के द्वारा एम्बुलेंस के माध्यम से रविवार को घर पहुंचा तो परिजनों के चित्कार से माहौल गमगीन हो गया,पुरे गाँव में शोक की लहर है।

मत्स्य बीज उत्पादक के नष्ट हुए बीज की क्षतिपूर्ति करेगा निदेशालय

मामला गोला थाना पुलिस द्वारा मत्स्य बीज लदे वाहन को अनावश्यक रोके जाने का ◂ मत्स्य कृषकों को मिलेगा हर संभव सहयोग

मेट्रो रेज डेस्क

रांची/रामगढ़ः मत्स्य निदेशालय, झारखंड के निदेशक अमरेंद्र कुमार ने कहा है कि राज्य मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। राज्य में मछली के उत्पादन में वृद्धि हुई है। मत्स्य कृषकों की सहभागिता से राज्य मछली के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो रहा है।

उन्होंने कहा कि विभाग मत्स्य कृषकों को हर संभव सहयोग करने के लिए तत्पर है।

उन्होंने कहा कि विगत दिनों बरलंगा (रामगढ़) के प्रगतिशील मत्स्य कृषक शिवनारायण केवट व उनके पुत्र पवन कुमार केवट को मत्स्य बीज के परिवहन के दौरान बेवजह पुलिसिया कार्रवाई से नष्ट हुए मत्स्य बीज के नुकसान की भरपाई मत्स्य निदेशालय करेगा।

इस मामले में दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का अनुरोध पुलिस-प्रशासन से किया गया है। इस संबंध में रामगढ़ के जिला मत्स्य पदाधिकारी अरुप कुमार चौधरी को निर्देशित किया गया है।

निदेशक के निदेर्शानुसार डीएफओ, रामगढ़ अरुप कुमार चौधरी ने पीड़ित मत्स्य मित्र को आश्वस्त किया है। श्री चौधरी ने बरलांगा (रामगढ़) निवासी मत्स्य मित्र श्री केवट की शिकायत पर घटना स्थल का दौरा किया और उन्हें यथासंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

विदित हो कि मत्स्य मित्र श्री केवट राज्य के एक प्रगतिशील मत्स्य कृषक हैं। मत्स्य बीज उत्पादन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। गत दिनों श्री केवट रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत बेटुलकला पंचायत के पतरातू गांव स्थित तालाब में मत्स्य बीज छोड़ने जा रहे थे। इस दौरान पूरबडीह जंगल के समीप गोला थाना की पुलिस ने मत्स्य बीज लदे वाहन को जांच के नाम पर रोका। उनसे पांच सौ रुपये की मांग की। इसका विरोध करने पर उनके पुत्र के साथ मारपीट की गई।

श्री केवट ने तत्काल इस घटना की जानकारी निदेशालय के संयुक्त मत्स्य निदेशक मनोज कुमार ठाकुर को दी। श्री ठाकुर ने मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल रामगढ़ के एसपी से संपर्क कर घटना की जानकारी दी और मत्स्य मित्र को सहयोग करने का अनुरोध किया। निदेशक अमरेंद्र कुमार ने भी इस संदर्भ में रामगढ़ के जिला मत्स्य पदाधिकारी अरुप कुमार चौधरी को निर्देशित करते हुए तत्काल कार्रवाई करने को कहा।श्री चौधरी ने रामगढ़ के उपायुक्त को इस संदर्भ में सूचित किया। साथ ही मत्स्य निदेशक अमरेंद्र कुमार को अद्यतन कार्रवाई से अवगत कराया। श्री चौधरी के मुताबिक उक्त घटना में मत्स्य मित्र श्री केवट को लगभग 80 किलो मत्स्य बीज का नुकसान हुआ। जिसकी भरपाई की जाएगी। ताकि मत्स्य उत्पादन में झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मत्स्य कृषकों का उत्साह बना रहे।

पुलिस-प्रशासन से सहयोग के लिए निदेशालय का पत्र ठंडे बस्ते मेंः झारखंड में मत्स्य बीज व जीवित मछलियों के परिवहन में पुलिस-प्रशासन द्वारा सहयोग करने के लिए मत्स्य निदेशालय की ओर से सभी जिलों के उपायुक्तों को पत्र लिखा गया। इस संबंध में एक अगस्त, 2014 को तत्कालीन निदेशक (मत्स्य) ने राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र प्रेषित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के मत्स्य बीज उत्पादकों के सहयोग से मछली उत्पादन में वृद्धि हुई है। मत्स्य बीज लदे वाहनों को परिवहन के दौरान जांच के नाम पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में रोका जाता है, इससे मत्स्य बीज उत्पादकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं, इससे किसानों को आर्थिक क्षति भी उठानी पड़ती है। निदेशक ने उपायुक्त से थानों को निर्देशित करने और मत्स्य बीज लदे वाहनों को अनावश्यक न रोकने का अनुरोध किया। पत्र की प्रतिलिपि गृह विभाग के प्रधान सचिव सहित प्रमंडलीय आयुक्त, प्रमंडलीय आरक्षी उपमहानिरीक्षक तथा सभी जिलों के आरक्षी अधीक्षकों को प्रेषित की गई। लेकिन उक्त पत्र ठंडे बस्ते में पड़ा है।

मछली बीज व जीवित मछली के परिवहन में सहयोग के लिए विभाग तत्पर : अमरेंद्र कुमार

झारखंड सरकार के मत्स्य निदेशक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि उक्त पत्र के आलोक में एक बार पुनः सभी जिलों के उपायुक्तों को पत्र प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड को मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में मत्स्य कृषकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में मत्स्य कृषकों को हर संभव सहयोग देने के प्रति निदेशालय तत्पर है।

रिम्स ट्रॉमा सेंटर में मरीज की मौत के बाद हंगामा परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

संवाददाता

रांची: राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में काफी देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनीं रही। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले एक 26 वर्षीय युवक की ट्रॉमा सेंटर में मौत के बाद उसके परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिवार वालों का आरोप है कि इलाज में कोताही बरतने की वजह से युवक की मौत हुई है। उन्होंने डॉक्टरों के साथ धक्का मुक्की भी की।

आक्रोशित लोगों ने जमकर किया विरोधः मिली जानकारी के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे देर रात रिम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। परिजनों का कहना है कि मरीज को भर्ती करने के बाद से समय पर और उचित इलाज नहीं मिला, जिसकी वजह से पंकज की जान चली गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध किया। इस दौरान ट्रॉमा सेंटर में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। हालांकि कुछ देर बाद परिजनों को समझा बुझाकर शांत करवाया गया।

गंभीर स्थिति में रिम्स में कराया गया था भर्तीः डॉ साकेत ट्रॉमा सेंटर के चिकित्सक डॉ साकेत ने परिजनों के आरोप पर कहा कि मरीज एक गंभीर सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ था, उसके शरीर की कई हड्डियां टूट गई थीं और काफी खून बह चुका था। डॉक्टरों की टीम ने बेहतर इलाज और सभी आवश्यक प्रयास किए, लेकिन मरीज की हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका, जिसका अफसोस चिकित्सकों को भी हैं।

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद पर हुए हमले की अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक वैश्य महासंघ ने की कड़ी निंदा

मेट्रो रेज

रांची: अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक वैश्य महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता एवं राष्ट्रीय कार्यदल सदस्य बीरेंद्र साहु ने बिहार के मधुबनी जिले के खजौली क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं बिहार सरकार के श्रम संसाधन, परिवार कल्याण एवं कौशल विकास मंत्री अरुण शंकर प्रसाद पर हुए कथित जानलेवा हमले की कड़ी निंदा और भर्त्सना की है।

महासंघ के नेताओं ने कहा कि मंत्री अरुण शंकर प्रसाद अपने क्षेत्र में एक युवक की मृत्यु की सूचना मिलने पर शोकाकुल परिवार से मिलने और संवेदना प्रकट करने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने उनके काफिले पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने मंत्री की गाड़ी को क्षतिग्रस्त किया तथा उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए जानलेवा हमला किया।

बताया गया कि बड़ी संख्या में मौजूद लोगों की भीड़ द्वारा लाठी-डंडों एवं अन्य हथियारों के साथ हमला किया गया। हालांकि मंत्री के अंगरक्षकों और कार्यकर्ताओं की तत्परता से उन्हें सुरक्षित निकालकर निकटवर्ती थाना पहुंचाया गया, जहां घटना की सूचना देते हुए शिकायत दर्ज कराई गई।

शिवरतन प्रसाद गुप्ता एवं बीरेंद्र साहु ने कहा कि अरुण शंकर प्रसाद एक बेदाग छवि वाले जनप्रतिनिधि हैं, जो लंबे समय से विधायक के रूप में क्षेत्र की सेवा कर रहे हैं। अपने मृदुभाषी स्वभाव और जनसंपर्क के कारण वे क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। इसके बावजूद उन पर सुनियोजित तरीके से हमला किया जाना अत्यंत निंदनीय है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद महासंघ के पदाधिकारियों ने मंत्री अरुण शंकर प्रसाद से संपर्क कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। महासंघ ने बिहार सरकार से मंत्री को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

महासंघ के नेताओं ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करेगा। साथ ही बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ सहित राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों से समन्वय स्थापित कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष भी इस मुद्दे को उठाया जाएगा।

भीषण गर्मी में राहत की मिसाल बने शादाब खान, हिंदपीढ़ी की गलियों में पहुंचा रहे हैं पानी

गुलाम शाहिद

रांची : राजधानी रांची में पड़ रही भीषण गर्मी और हिंदपीढ़ी में पेयजल संकट के बीच एक युवा समाजसेवी लोगों के लिए राहत का माध्यम बनकर सामने आया है। वार्ड संख्या 22 के निवासी शादाब खान क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों तक पेयजल पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनके इस प्रयास की स्थानीय लोग सराहना कर रहे हैं। शादाब खान यह सेवा वार्ड 22 के पार्षद मोहम्मद असलम के सहयोग से संचालित कर रहे हैं। प्रतिदिन क्षेत्र की विभिन्न गलियों और मोहल्लों में पानी पहुंचाकर वे उन परिवारों की मदद कर रहे हैं, जो जल संकट से जूझ रहे हैं।

इस अवसर पर शादाब खान ने कहा कि भीषण गर्मी के कारण क्षेत्र में पानी की भारी किल्लत है। कई जगहों पर महिलाओं और बुजुर्गों को पानी के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, हमारी मां-बहनों को पानी के लिए घरों से बाहर निकलकर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है, जो उचित नहीं है। उनकी परेशानी को कम करने के लिए मैं अपनी क्षमता अनुसार मदद कर रहा हूं। लोगों की सेवा कर मुझे आत्मिक खुशी और संतोष मिलता है। स्थानीय नागरिकों ने भी शादाब खान और पार्षद मोहम्मद असलम के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जल संकट के इस दौर में इस तरह की पहल समाज के लिए प्रेरणादायक है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि प्रशासन के साथ-साथ समाज के जागरूक लोगों द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास जरूरतमंदों को बड़ी राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं। शादाब खान की यह पहल सामाजिक सेवा और मानवता की एक मिसाल बनकर उभरी है।

2003 की मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी सैकड़ों मतदाताओं के नाम गायब

एस अली ने की जांच और कार्रवाई की मांग

गुलाम शाहिद

रांची: हटिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगड़ी प्रखंड की नारो पंचायत, नगड़ी पंचायत एवं आसपास के क्षेत्रों में वर्ष 2003 की मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची से लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं के नाम गायब हैं, जिसके कारण वे अपने नाम और पारिवारिक विवरण का मिलान (मैपिंग) नहीं कर पा रहे हैं। इससे सैकड़ों लोग मानसिक रूप से परेशान हैं। एस अली ने कहा कि प्रभावित लोगों के पास वर्ष 1995, 2003 एवं उसके बाद जारी मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध हैं, जिनके आधार पर वे वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं। इसके बावजूद वर्ष 2003 की मतदाता सूची से नामों का गायब होना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है।

एस अली ने रांची उपायुक्त से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर प्रभावित मतदाताओं को राहत देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे को लेकर वे जल्द ही राज्य निर्वाचन आयोग, झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) से भी मुलाकात करेंगे।इस अवसर पर जिला रांची ग्रामीण युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष आरिफ अंसारी, आदिवासी छात्र संघ के अनिल उरांव, सुमित खलखो, पुष्पा उरांव, सुधीर महतो, मुश्ताक अंसारी, सरवर, जावेद आसिफ सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

डोरंडा में मुहर्रम जुलूस को लेकर दिशा-निर्देश जारी,डीजे और नशे पर पाबंदी

नवाब चिश्ती बने मीडिया प्रभारी

मेट्रो रेज

रांची: डोरंडा सेंट्रल मोहर्रम कमिटी की बैठक में मुहर्रम जुलूस को शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं पारंपरिक तरीके से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कमिटी ने स्पष्ट किया है कि मुहर्रम जुलूस में नशा करने वालों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी तथा डीजे के उपयोग पर भी रोक रहेगी। आयोजन को आपसी भाईचारे, सौहार्द और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न कराया जाएगा। कमिटी के अध्यक्ष अशरफ अंसारी ने बताया कि चांद की पहली तारीख को युनुस चौक में पारंपरिक रस्म पगड़ी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुहर्रम की ऐतिहासिक और धार्मिक गरिमा को बनाए रखने के लिए सभी अखाड़ों एवं अंजुमनों से सहयोग की अपील की गई है।

मीडिया प्रभारी नवाब चिश्ती ने बताया कि मुहर्रम के सफल आयोजन के लिए कमिटी के सदस्यों को विभिन्न इलाकों की जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि कमिटी का उद्देश्य शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम का आयोजन सुनिश्चित करना है, ताकि समाज में एकता और भाईचारे का संदेश जाए। बैठक में नवाब चिश्ती को सर्वसम्मति से मीडिया प्रभारी चुना गया। बैठक में हाजी मजहर, हाजी अकबर, अय्यूब गद्दी, नईम आलम, मुबारक गद्दी, पप्पू गद्दी (पार्षद वार्ड 45), हाजी इमरान रजा अंसारी, रिजवान हुसैन (पार्षद प्रतिनिधि वार्ड 49), जुल्फेकार अली भुट्टो, अनीश गद्दी, मो। इदरीश, शमीम बबलू, शमीम अंसारी, तसलीम अंसारी, अकबर अंसारी, इरफान खान पप्पू, मो। नूर, फिरोज खान, असलम, हसन अंसारी, मो। कलीम, मिन्हाज कुरैशी, रिजवान, मो। जुबैर, मो। परवेज, हाजी रफीक उर्फ मुन्ना तथा मो। शाहिद समेत कई सदस्य उपस्थित थे। कमिटी ने सभी लोगों से मुहर्रम के दौरान शांति, अनुशासन और आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की है।

सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची के नए पदाधिकारियों का गठन

मो. सईद, प्रमुख खलीफा मो. महजूद ने सौहार्दपूर्ण मोहर्रम का दिया संदेश

रांची: आज सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची के मुख्य सरपरस्त मो। सईद की अध्यक्षता में मधुबन मार्केट स्थित प्रधान कार्यालय में मोहर्रम वर्ष 2026 के जुलूस की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इमाम बख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा मो। महजूद, धौताल अखाड़ा के खलीफा सहित विभिन्न क्षेत्रों के खलीफा एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची के अध्यक्ष जावेद गद्दी के अस्वस्थ होने के कारण दिए गए त्यागपत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इसके बाद मुख्य सरपरस्त मो। सईद की सरपरस्ती में नई कमेटी का गठन किया गया।

नई कमेटी में जमशेद अली पप्पू गद्दीको अध्यक्ष, अकीलुर्रहमान को महासचिव तथा मो। इस्लाम को प्रवक्ता बनाया गया। वहीं अब्दुल कादिर रब्बानी एवं हाजी साहेब अली को सरपरस्त, मो तौहीद उपाध्यक्ष, आफताब आलम को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा मासूम गद्दी, मोइज अख्तर भोलू, अयूब राजा खान, हैदर गद्दी और लडन गद्दी को उपाध्यक्ष तथा शोएब खान एवं गुलाम रसूल को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रमुख खलीफा मो। महजूद ने कहा कि मोहर्रम 2026 का जुलूस आपसी भाईचारे, अनुशासन और सौहार्द के साथ निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस शान और परंपरा के साथ हमारे बुजुर्ग मोहर्रम मनाते आए हैं, उसी परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से नशाखोरी से दूर रहने और शिक्षा को बढ़ावा देने की अपील भी की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुख्य सरपरस्त मो। सईद ने कहा कि रांची की पहचान हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी सौहार्द की रही है। सभी पर्व-त्योहार जिस तरह मिल-जुलकर मनाए जाते रहे हैं, उसी तरह इस वर्ष भी मोहर्रम का जुलूस पूरे जोश और खरोश के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि कमेटी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना प्रत्येक अखाड़ाधारी की नैतिक जिम्मेदारी होगी।

प्रमुख खलीफा मो। महजूद ने आगे कहा कि सेंट्रल मोहर्रम कमेटी को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से नए लोगों को जोड़ा जाएगा तथा उन्हें संगठन में जिम्मेदारियां दी जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन महासचिव अकीलुर्रहमान ने किया।

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं खलीफाओं ने मोहर्रम 2026 को शांतिपूर्ण, अनुशासित और भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने का संकल्प लिया।

पर्यावरण दिवस की याद में बच्चों ने रंगों से दिया हरियाली का संदेश

रांची: विश्व पर्यावरण दिवस की याद में आईफा इंटरनेशनल रांची द्वारा बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता एवं पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में शगुफ्ता बानो, अंजुम एवं साधना शामिल थीं।

इस अवसर पर कला गुरु मोहम्मद साबिर हुसैन ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और कहा एक पेड़ लगाने का संकल्प करें चाहे वह गमला में हो या जमीन पर। कार्यक्रम में हुमायूं कबीर, शमा परवीन, अल्मा हसन सहित अन्य सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे– सीनियर वर्ग में आयत ने प्रथम, एलिजा ने द्वितीय तथा हूमरा और महक ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में जैनब प्रथम, महरीन द्वितीय तथा डेनियल और हानियां संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे।

घर से युवती को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के मांडर थाना क्षेत्र अंतर्गत करगे गांव से इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां शुक्रवार की रात 9 दरिंदों ने मिलकर एक युवती को उसके ही घर से जबरन अगवा कर लिया और करगे नदी के किनारे सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले कांड को अंजाम देने के बाद शनिवार की सुबह सभी आरोपी पीड़िता को बदहवास हालत में नदी किनारे छोड़कर फरार हो गए। हालांकि, इस मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज 8 घंटे के भीतर सभी 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया है।

प्रेमी गया था केरल, अकेली पाकर घर में घुसे दरिंदेः मिली जानकारी के अनुसार, मांडर थाना क्षेत्र की रहने वाली यह युवती पिछले लगभग 2 वर्षों से गांव के ही एक युवक के साथ लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रही थी। करीब डेढ़ महीने पहले उसका पार्टनर काम की तलाश में झारखंड से बाहर केरल चला गया था, जिसके बाद से युवती

घर में अकेली ही रह रही थी। इसी बात का फायदा उठाकर शुक्रवार की देर शाम गांव और उसके आसपास के रहने वाले 9 युवक जबरन उसके घर में घुस आए। आरोपी युवती को उसके घर से ही उठा ले गए और गांव के बाहर नदी के सुनसान किनारे पर ले जाकर बारी-बारी से उसके साथ दरिंदगी की।

बदहवास हालत में थाने पहुंची पीड़िता, एसएसपी ने बनाई स्पेशल टीमः शनिवार सुबह जब आरोपी उसे गंभीर हालत में छोड़कर भाग गए, तो पीड़िता ने किसी तरह हिम्मत जुटाई और मांडर थाना पहुंचकर अपने साथ हुई इस बर्बरता की लिखित शिकायत दर्ज कराई। गैंगरेप जैसी गंभीर वारदात की सूचना मिलते ही रांची के एसएसपी ने तुरंत संज्ञान लिया और खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया। इस टीम में मांडर, चान्हो, बुढ़मू और ठाकुरगांव थाने के भारी पुलिस बल को शामिल किया गया। पुलिस ने विभिन्न तकनीकी पहलुओं, मोबाइल लोकेशन और पीड़िता द्वारा दिए गए हुलिए के आधार पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की।

8 घंटे में सभी आरोपी दबोचे, पुलिस ने जारी की नामजद लिस्ट : एसएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 8 घंटे के अंदर घटना में शामिल सभी 8 बालिग आरोपियों को धर दबोचा है, जबकि एक कानून का उल्लंघन करने वाले नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आयुष उरांव, पापड़ मुंडा उर्फ प्रकाश मंडा, रामलुस कुजूर, रंजीत उरांव, उमेश भगत, दीपक उरांव, राम उरांव और विकास उरांव के रूप में हुई है। पुलिस इन सभी के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है ताकि पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

विदेश मंत्री रूबियों देश के नेताओं को दिखा गए आईना

भारत दौर पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि दुनिया के हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं। हम इन्हें गंभीरता से लेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी बेवकूफ लोग मौजूद हैं। 'क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग' (क्वाड) की बैठक में शिरकत करने राजधानी दिल्ली में आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अमरीका में भारतीयों पर नस्लीय हमलों को लेकर यह जवाब दिया।

रुबियो ने कहा कि मैं नस्लभेदी कमेंट्स को बहुत गंभीरता से लूंगा। मुझे यकीन है कि ऐसे लोग हैं जिन्होंने ऑनलाइन और दूसरी जगहों पर कमेंट्स किए हैं, क्योंकि दुनिया के हर देश में बेवकूफ लोग मौजूद होते हैं। मुझे यकीन है कि यहां भी बेवकूफ लोग हैं, यूनाइटेड स्टेट्स में भी बेवकूफ लोग हैं जो हर समय बेवकूफी भरे कमेंट्स करते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स एक बहुत ही वेलकमिंग देश है। दुनिया भर से हमारे देश में आने वाले लोगों से फायदा हुआ है।

अमरीकी विदेश मंत्री को शायद अंदाजा होगा कि नस्लवाद, जातिवाद, सांप्रदायिकता और क्षेत्रवाद भारत के अभिन्न अंग हैं। इन मुद्दों पर राजनीतिक करके देश को कमजोर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने में भारत के राजनीतिक दल ही सबसे आगे हैं। इसमें चाहे विपक्ष हो या सत्ता पक्ष, कोई भी अपने राजनीतिक स्वार्थों को भुनाने में पीछे नहीं रहता। सत्ता में जो भी राजनीतिक दल होता है, वह यंत्रणा और क्रूरता को कानूनी आड़ में जायज ठहराने का प्रयास करता है। इसका देश में सबसे बड़ा उदाहरण है पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें। अमरीका में एक अश्वेत युवक की पुलिसकर्मियों ने हत्या कर दी थी। इससे पूरे अमरीका में बवाल मच गया था। 25 मई 2020 को मिनियापोलिस शहर में 'डेरेक शॉविन' नामक एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने जॉर्ज फ्लॉयड नाम के निहत्थे अश्वेत व्यक्ति की गर्दन पर लगभग 9 मिनट तक अपना घुटना दबाए रखा था, जिससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई थी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद ₹ब्लैक लाइव्स मैटर₹ आंदोलन के तहत अमेरिका के सभी 50 राज्यों में ऐतिहासिक प्रदर्शन हुए। आरोपी पुलिस अधिकारी को हत्या का दोषी ठहराया गया और 2021 में उसे 22.5 साल की जेल की सजा सुनाई गई। इसके विपरीत भारत में पुलिस हिरासत में मौतें साधारण घटनाओं में शुमार है। सरकारी तंत्र को ऐसी मौतों से खास फर्क नहीं पड़ता। सरकार ऐसी मौतों को कभी गंभीरता से नहीं लेती। कारण साफ है ऐसी मौतों में कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर सत्तातंत्र जिम्मेदार होता है। यही वजह है कि हिरासत में मौतों जैसे बेहद अमानवीय और संवेदनशील मुद्दे पर भी सरकारें खामोश रहती हैं। विपक्ष जरूर कुछ शोर मचाता है, किन्तु विपक्ष जब सत्ता में रहा होता है, तब भी ऐसी मौतें होती रही हैं, इसलिए सत्ता पक्ष द्वारा गढ़े मुर्दे उखाड़े जाने के भय विपक्ष प्रायः चुप्पी ही साधे रहता है। अदालतों ने भारत में पुलिस हिरासत में मौतें रोकने के प्रयास किए हैं, किन्तु सफल नहीं हो पाई। सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में होने वाली हिंसा को व्यवस्था पर धब्बा बताया था। ऐसी मौतों के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट का सख़्त सवाल पूछा था कि क्या केंद्र सरकार हमें हल्के में ले रही है? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा, ₹अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। ₹शीर्ष अदालत पूरे भारत के पुलिस स्टेशनों में काम न कर रहे सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करने के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ यह सख्त टिप्पणी की थी। हिरासत में मौतों पर अपवादस्वरूप ही दोषी पुलिसकर्मियों को अदालतों से सजा मिल पाती है। अप्रैल 2026 में, एक ऐतिहासिक और दुर्लभतम फैसले में मदुरै की एक अदालत ने वर्ष 2020 में पुलिस हिरासत में एक पिता (पी. जयराज) और पुत्र (जे. बेनिक्स) की बेरहमी से हत्या करने के मामले में 9 पुलिसकर्मियों को फांसी (मृत्युदंड) की सजा सुनाई। जबकि अधिकतर मामलों में सबूतों के अभाव या गवाहों के मुकरने के कारण पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराना मुश्किल होता है, जिसके चलते कई मामलों में पुलिसकर्मियों को केवल विभागीय कार्रवाई का सामना करना पड़ता है या वे बरी हो जाते हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार वर्ष 2024 में 2,739 लोगों की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। हिरासत में यातना सत्ता तंत्र की शक्ति और संवैधानिक मूल्यों का घोर दुरुपयोग है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हिरासत में रखे गए लोग कमजोर और असुरक्षित स्थिति में होते हैं और वहाँ शक्ति का संतुलन भी उनके खिलाफ होता है। जवाबदेही तय करने की स्वतंत्र जांच नहीं हो पाती है, क्योंकि हिरासत में हुई मौतों की जांच अक्सर उसी पुलिस विभाग द्वारा की जाती है, जिनके संरक्षण में ऐसी घटना घटित होती है। यातना के उपयोग को पुलिस बल के भीतर हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने से जोड़ा गया है। भारत में यातना (टॉर्चर) को रोकने या उससे निपटने के लिए अब तक कोई विशेष, स्वतंत्र कानून नहीं बन पाया है। यद्यपि भारत ने 1997 में 'संयुक्त राष्ट्र यातना विरोधी सम्मेलन' पर हस्ताक्षर किए थे,लेकिन वर्तमान में यातना से निपटने के लिए भारतीय दंड संहिता और भारतीय संविधान के प्रावधानों का ही उपयोग किया जाता है। यातना निवारण विधेयक 2010 में लोकसभा द्वारा पारित किया गया था, जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन की पुष्टि करना और यातना को स्पष्ट रूप से दंडनीय अपराध बनाना था। हालाँकि, प्रवर समिति को भेजे जाने और संशोधनों की सिफारिशों के बाद, यह विधेयक लैप्स हो गया और कानून का रूप नहीं ले सका। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि भारत में हर साल सैकड़ों लोग हिरासत में मारे जाते हैं। उनका कहना है कि संदिग्धों से जबरन कबूलनामा निकलवाने के लिए यातना और दुर्व्यवहार करना पुलिसिंग का हिस्सा बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के कई विशेषज्ञों ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुरूप पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए बड़े सुधार करने का आह्वान किया था। लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जब हिरासत में मौतों को लेकर देश की सरकारों को खास फर्क नहीं पड़ता, तब अमरीकी विदेश मंत्री को अमरीका में मौजूद मामूली से नस्लवाद को लेकर शर्मिंदा होना देश के नेताओं को आईना दिखाने जैसा है।

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं। ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है। भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चचाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे।

आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने मायने क्या हैं?

आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में आर्थिक सुनामी आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है।

कमलेश पांडेय

राहुल गांधी की ₹आर्थिक सुनामी₹ वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता।

आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में ₹आर्थिक सुनामी₹ आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त ₹शॉक एब्जॉर्बर₹ हैं–विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं–जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियाँ हैं: जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते।

जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी। बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। निवेश और उपभोग में तीव्र कमी। इतिहास में ऋ्रीं३ ऊस्त्र१२२ङ्गल्ल (1930 का दशक) और ऋंङ्क' ऋह्लल्लू' उ३२२ (2008) जैसी घटनाओं को आर्थिक सुनामी के उदाहरण माना जा सकता है। किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे–वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसी ताकतें भी हैं जो बड़े झटकों को सहने में मदद करती हैं– जैसे- विशाल घरेलू बाजार। अपेक्षाकृत मजबूत बैंकिंग और नियामक व्यवस्था। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं–जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न। इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो ₹पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी₹ या ₹कभी नहीं आएगी₹– दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं। भारत की आर्थिक स्थिति कई संकेतकों पर अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, लेकिन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह यह वैश्विक और घरेलू जोखिमों से पूरी तरह मुक्त नहीं है। आर्थिक सुनामी की संभावना मुख्यतः नीतियों, वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य की घटनाओं पर निर्भर करेगी, न कि केवल किसी एक नेता की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर।

₹आर्थिक सुनामी₹ एक रूपक (ॊ३स्त्रँङ्ग१) है, जिसका अर्थ है ऐसा व्यापक और तीव्र आर्थिक संकट जो समाज, बाजार, उद्योग, रोजगार और सरकार की वित्तीय स्थिति को एक साथ प्रभावित कर दे। जिस प्रकार समुद्री सुनामी अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को झकझोर देती है, उसी प्रकार आर्थिक सुनामी भी अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों पर गहरा असर डालती है। आइए जानते हैं आर्थिक सुनामी के प्रमुख संकेत के बारे में- पहला, शेयर बाजार में भारी गिरावट। दूसरा, निवेशकों की संपत्ति तेजी से घटती है। तीसरा, कंपनियों का बाजार मूल्य कम हो जाता है। चौथा, बेरोजगारी में तेज वृद्धि। पांचवां, उद्योगों और कंपनियों में छंटनी बढ़ती है। छठा, नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ जाती है। सातवां, बैंकिंग और वित्तीय संकट। आठवां, ऋण वसूली की समस्या बढ़ती है। नौवां, बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर दबाव आता है। दसवां, मुद्रा और महंगाई पर असर। दसवां, राष्ट्रीय मुद्रा कमजोर हो सकती है। ग्यारहवां, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। बारहवां, व्यापार और उद्योग में मंदी। तेरहवां, उत्पादन घटता है। चौदहवां, निवेशक नए निवेश से बचते हैं। आर्थिक संकट केवल आर्थिक नहीं होता, बल्कि इसके राजनीतिक परिणाम भी होते हैं– पहला, सरकार की लोकप्रियता प्रभावित हो सकती है। दूसरा, विपक्ष को सरकार की नीतियों पर हमला करने का अवसर मिलता है। तीसरा, सामाजिक असंतोष और जनाक्रोश बढ़ सकता है। चौथा, चुनावी परिणामों पर असर पड़ सकता है। जहां तक भारत के संदर्भ में इसकी बात है तो भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था में ₹आर्थिक सुनामी₹ का अर्थ होगाकृ विकास दर में तीव्र गिरावट, बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, निवेश और उपभोग में कमी, राजकोषीय दबाव, तथा आम नागरिकों की क्रय शक्ति पर नकारात्मक प्रभाव। हालांकि भारत की विशाल घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र, कृषि आधार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा भंडार जैसी ताकतें ऐसे संकटों के प्रभाव को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकती हैं। जहां तक राहुल गांधी की आशंका के राजनीतिक मायने का सवाल है तो यह कहा जा सकता है कि आर्थिक मुद्दों को चुनावी केंद्र में लाने की कोशिश कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय और छोटे कारोबारों की समस्याओं को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाना चाहती है। ₹आर्थिक सुनामी₹ जैसी अभिव्यक्ति इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा सकती है। वैसे भी मोदी सरकार के आर्थिक मॉडल पर सीधा हमला राहुल गांधी लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि वर्तमान आर्थिक व्यवस्था बड़े कॉरपोरेट समूहों के पक्ष में झुकी हुई है। यह बयान उसी राजनीतिक विमर्श को आगे बढ़ाता है।

वहीं वैश्विक संकट को घरेलू राजनीति से जोड़ना पश्चिम एशिया में तनाव, तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों को विपक्ष सरकार की आर्थिक नीतियों की परीक्षा के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। कुलमिलाकर 2029 के राजनीतिक नैरेटिव की तैयारी में कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि यदि भविष्य में आर्थिक कठिनाइयाँ बढ़ती हैं तो उसने पहले ही चेतावनी दी थी। वहीं भाजपा इसे ₹भय फैलाने की राजनीति₹ बताकर अपनी आर्थिक उपलब्धियों को सामने रख रही है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि आर्थिक सुनामी का वास्तविक मायने केवल आर्थिक आंकड़ों का बिगड़ना नहीं, बल्कि आम आदमी की आय, रोजगार, बचत, व्यापार और जीवन-स्तर पर एक साथ पड़ने वाला व्यापक नकारात्मक प्रभाव है। यही कारण है कि जब कोई राजनीतिक नेता या अर्थशास्त्री ₹आर्थिक सुनामी₹ की चेतावनी देता है, तो उसका आशय संभावित बड़े आर्थिक और सामाजिक झटके से होता है।

धार भोजशाला का 700 साल पुराना इंतजार खत्म, अरकरिपोर्ट के बाद अब गूंजेंगे स्तुति मंत्र

केसनातन के विराट, विशद वैभव का गुणगान करती धार की भोजशाला सदियों से जिस पल की प्रतीक्षा कर रही थी, वह आखिरकार आ ही गया। यह प्रतीक्षा सिर्फ धार नगरी के निवासियों की नहीं बल्कि कटक से लेकर लद्दाख और लक्षद्वीप से लेकर समस्त भारत वर्ष भी को भी थी। यह प्रतीक्षा उन लोगों को भी थी, जो अपनी आराध्य मां वाग्देवी के मंदिर को लेकर स्वप्न संजोए थे। वहीं करीब 700 वर्षों के कालखंड में परमार वंश के प्रतापी राजा भोज की आराध्य वाग्देवी का यह मंदिर कई आक्रमण झेलकर आज भी प्रसन्न है। इसने पहले विदेशी आक्रांताओं से अपनी धरोहर की रक्षा की और फिर इसके स्वामित्व के लिए लड़ी गई लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मिली इस विरासत की गाथा कम रोमांचक नहीं है। सनातन के स्तंभ परमार वंश के प्रतापी राजा भोज एक उद्भट विद्वान थे। उन्होंने 1010 से 1055 ईस्वी तक शासन किया। वहीं 1034 ईस्वी में राजा भोज ने भोजशाल का निर्माण कराया था। कला और संस्कृति के उपासक राजा भोज ने धारा नगरी को कला और शिक्षा की राजधानी के रूप में विकसित किया था। राजा भोज ने नालंदा और तक्षशिला की तरह यहां पर भी संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापित किए। जहां देश-दुनिया के शोधार्थी, विद्वान और बटुक वेद-उपनिषदों के गूढ़ रहस्यों का अध्ययन करते थे। इससे पूर्वाभिमुख बहुमंजिला आयताकार भवन में विशाल सभा मंडप, सैंकड़ों नक्काशीदार कक्ष और स्तंभ थे। लेकिन विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भोजशाला का मुख्य प्रसाद, जहां पर कभी वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित थी, वह ही शेष बचा है। बता दें कि परिसर में मौजूद 188 स्तंभ गवाही देते हैं कि कितनी मुश्किलें सहकर भी सनातन के गौरव को संभाले रखा। एमपी हाईकोर्ट के आदेश के बाद जब अरकके सर्वे में इन स्तंभों पर जमी धूल हटी, तो यहां का हर स्तंभ नई गाथा सुनाता नजर आया। परमारकालीन अद्भुत वास्तु शिल्प भोजशाला में मौजूद स्तंभों में नजर आता है।

भोजशाला के मुख्यद्वार से अंदर प्रवेश करते ही आपकी निगाहें बरबस ही काले पाषाण पर उत्कीर्ण प्राकृत और संस्कृत भाषा में लिखे शब्दों पर टिक जाएंगी। एक्सपर्ट बताते हैं कि यह पारिजात मंजरी नाट्य को लिपिबद्ध कर लगाया गया था। तो वहीं कुछ पत्थरों पर मां सरस्वती के मंत्र और महादेव व श्रीराम का भी उल्लेख मिलता है। तो वहीं कुछ पत्थरों पर धारा नगरी के नगर नियोजन से जुड़ी जानकारी दर्ज मिलती है। दीवारों पर राजा भोज द्वारा बनवाए गए सिद्धि यंत्र और कालसर्प स्पष्ट नजर आते हैं। राजा भोज ने धार में 84 चौराहों का निर्माण कराया था। वहीं भोजशाला में 84 अलग-अलग यंत्र बनवाए गए थे।

भोजशाला परिसर के ठीक बीचोबीच में विशाल हवनकुंड है। इस हवन कुंड के निर्माण की तकनीकी को देखकर यह पता चलता है कि हमारा प्राचीन ज्ञान-विज्ञान कितना समृद्ध था। कुंड गणितीय माप के मुताबिक है, मंडर का आकार और कुंड का आकार आहुतियों की संख्या पर और आहुतियों की संख्या अनुष्ठान पर निर्भर करती थी। यज्ञकुंड में बड़ी मात्रा में घी के लिए भी व्यवस्था की गई थी। हर साल वसंत पंचमी के मौके पर राजा भोज भव्य आयोजन करते थे, जिसमें सरस्वती यज्ञ सबसे महत्वपूर्ण होता था। इस दौरान 500 महाविद्वान और कविगणों से सज्जित राजा भोज का राजदरबार इस उत्सव में शामिल होकर आहुतियां देता था। वहीं 1305 में अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के बाद से अब यह हवनकुंड मानो फिर से आहुतियों के लिए तैयार हो रहा है। परमार काल विज्ञान, ज्ञान, कला, स्थापत्य और संस्कृति के क्षेत्र में काफी ज्यादा उन्नत था। वाग्देवी की प्रतिमा जिस स्थान पर विराजमान थी, वहां गुंबद की नक्काशी चमत्कृत कर देती है। अष्टमल की और उसके आसपास की रचनाएं भी काफी मोहक हैं। इसके एक हिस्से में कई चक्रों की नक्काशी बनी है। भोजशाला के पूर्व उत्तर क्षेत्र के पास कमाल मौला मस्जिद भी नजर आती है। इस परिसर के भीतर सरस्वती कूप भी है, जिसको अकल कूप भी कहा जाता है। बताया जाता है कि इसके निर्माण में धातु विज्ञान और शिलाओं के एक्सपर्ट की सहायता ली गई थी। इस सरस्वती कूप पर 14 कोणीय संरचनाएं बनी हैं। यहां पर छात्र पढ़ाई करते थे, हालांकि अब भी इस कूप से जलधाराएं प्रवाहित होती हैं। एएसआई द्वारा 98 दिन किए गए सर्वे के बाद एमपी हाईकोर्ट में 24 दिन नियमित सुनवाई हुई। वहीं 15 मई को कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा, 'मंदिर ही भोजशाला है' तो इस फैसले से सालों से प्रतीक्षा कर रहे लोगों की आत्मा झंकृत हो उठा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

होटल में ठहरे युवकों और ,कर्मचारियों के बीच मारपीट

– दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

संवाददाता

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र के चौक बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा के समीप अवस्थित होटल ड्रीम स्टार में शनिवार देर रात ठहरे युवकों और होटल कर्मचारियों के बीच हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी अनुसार बिहार के पूर्णिया जिले के फुलवरिया निवासी विनोद कुमार चौहान अपने कुछ साथियों के साथ होटल के कमरा संख्या 201 और 203 में ठहरे हुए थे। शनिवार मध्यरात्रि किसी बात को लेकर होटल कर्मचारियों और युवकों के बीच कहासुनी हुई जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना में विनोद कुमार चौहान को मामूली चोटें आईं। घायल विनोद कुमार चौहान ने नगर थाना में आवेदन देकर होटल कर्मचारियों पर मारपीट का आरोप लगाया है। दर्ज प्राथमिकी में गोपाल कुमार, सुसांत कुमार, राजा कुमार सहित अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस संबंध में नगर थाना कांड संख्या 100/26 दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। वहीं दूसरी ओर होटल प्रबंधन ने भी नगर थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए होटल में ठहरे युवकों पर शराब पीकर हंगामा करने, कर्मचारियों के साथ मारपीट करने तथा जातिसूचक गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। होटल प्रबंधन की ओर से दर्ज शिकायत में कुंदन यादव, रूपेश कुमार मंडल, राजू कुमार चौहान, विनोद कुमार चौहान, चंदन चौहान एवं अशोक मंडल को नामजद किया गया है। होटल के मैनेजर गोपाल कुमार ने आरोप लगाया कि संबंधित युवक होटल में कमरा बुक कराने के बाद बड़ी मात्रा में शराब लेकर आए थे। शराब सेवन के बाद उन्होंने होटल परिसर में हंगामा किया, जिससे अन्य कमरों में ठहरे लोगों को परेशानी हुई। विरोध करने पर कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई जो सीसीटीवी कैमरे में कैद है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि होटल के एक दलित कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। सूत्रों के अनुसार, इस घटना को बिहार में लागू शराबबंदी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। बताया कि होटल में ठहरे लोगों की ओर से की गई मारपीट का वीडियो तो सीसीटीवी में है पर होटल कर्मियों की ओर से की गई मारपीट का कोई वीडियो फुटेज नहीं है और न ही सीसीटीवी के साथ कोई छेड़छाड़ की गई है।बताया जाता है कि बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों से प्रतिदिन कई लोग शराब सेवन के लिए साहिबगंज पहुंचते हैं। वे होटल या लॉज में कमरा लेकर शराब पीते हैं और अगले दिन वापस लौट जाते हैं। घटना के बाद संबंधित कमरों की जांच में बड़ी संख्या में बीयर के खाली कैन भी बरामद किए जाने की चर्चा है। होटल मैनेजर गोपाल कुमार ने बताया कि संबंधित युवक संभवतः शराब अपने लगेज में छिपाकर होटल में लेकर आए थे। उन्होंने कहा कि होटल प्रबंधन को इसकी पूर्व जानकारी नहीं थी। उधर नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामले दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस सभी आरोपों और तथ्यों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन

दांतों की बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने और समय पर उपचार उपलब्ध कराने की आवश्यकता : डॉ शिखा

संवाददाता

साहिबगंजःजिला में पहली बार दंत चिकित्सकों का सम्मेलन मेनकाइंड कंपनी की ओर से विशेष डेंटल सीएमई यानी कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन शहर के एक होटल में दंत चिकित्सक डॉ अमित चंद्रा के मेजबानी में की गई। जिसमें जिला के प्रमुख दंत चिकित्सकों व प्रदेश के दंत चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आधुनिक दंत चिकित्सा नई तकनीकों बेहतर उपचार पद्धतियों और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने,दांतों और मसूड़ों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आज के समय में दांतों में सेंसिटिविटी पायरिया मसूड़ों से खून आना? दांतों में सड़न,मुंह की दुर्गंध दांतों का कमजोर होना और ओरल हाइजीन से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।इन बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने और समय पर उपचार उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।रूट कैनाल ट्रीटमेंट,डेंटल इम्प्लांट,कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री ब्रेसेस,मसूड़ों की बीमारियों का इलाज तथा दांतों से जुड़ी जटिल समस्याओं का उपचार अब जिला में ही किया जा रहा है।दंत चिकित्सा सेवाओं को और अधिक आधुनिक,सुलभ और प्रभावी बनाया जाए जिससे मरीजों को बेहतर उपचार के लिए बाहर न जाना पड़े।विशेषज्ञों ने कहा कि आधुनिक तकनीक बेहतर प्रशिक्षण और चिकित्सकों के बीच समन्वय से साहिबगंज को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान दिलाई जा सके। मौके पर दंत चिकित्सक डॉ दीपक कुमार,डॉ शिखा चंद्रा,मणिकांत मणि, धनबाद के दंत चिकित्सक डॉ अब्दुल वासन सहित कई दंत चिकित्सक उपस्थित थे।

फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन ने समय विस्तार को लेकर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता

साहिबगंजःफेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन साहिबगंज का एक शिष्टमंडल अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव जय प्रकाश सिन्हा के नेतृत्व में चार सूत्री मांग पत्र प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राहुल रौशन मरांडी को सौंपा। इस संबंध मे अध्यक्ष जय प्रकाश सिन्हा ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को बताया कि सभी डीलरों को प्रत्येक महीने के 10 तारीख तक खाद्यान्न दिया जाए। जिससे सही समय पर कार्ड धारी को को खदान वितरण किया जा सके चना दाल आपूर्तिकर्ता के द्वारा प्रत्येक बोरे में दो किलो दाल काम दिया जाता है। जिससे कार्ड धारी को वितरण में काफी कठिनाइयां आती है।आपूर्ति करता को सख्त निर्देश दिया जाए की सही माप और सही पैकेट में गोदाम को चना दाल आपूर्ति करें और चना दाल का ट्रांजैक्शन रिपोर्ट एनआईसी के द्वारा बंद कर रखा गया है। जिससे डीलरों को वितरण के बाद मिलान करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।उसे जल्द खुलवाया जाए जिससे डीलर अपना रिपोर्ट निकाल सके,पिछले सभी बकाया कमीशन का अभिलंब भुगतान किया जाए एवं उससे संघ को अवगत कराया जाए,गोदाम द्वारा खाद्यान्न लेट से मिलने पर समय विस्तार दिया जाए ताकि छूटे हुए लाभुकों को वितरण किया जा सके।मौके पर जयप्रकाश सिहां,सुबोध कुमार,भगवान जोशी,संजय पोद्दार,मदन पासवान, चंदन पासवान,नागेश्वर पोद्दार, शशिकांत दुबे,अनीता दयाल समेत कई सम्मानित डीलर उपस्थित रहे।

सभी 22 पंचायत में 44 पर्यवेक्षक नियुक्त

– बर्नार्ड मरांडी के अध्यक्षता में आयोजित कि गई बैठक

साहिबगंज/बरहेटःझामुमो बरहेट प्रखंड कमेटी की बैठक प्रखंड कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी के अध्यक्षता में आयोजित कि गई।बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के बीएलए 2 ओर पंचायत अध्यक्ष,सचिव के पदाधिकारीगण से मैपिंग प्रतिशत ओर अनपेमैपिंग से संबंधित वार्ता की गई।वही बैठक मे 12 जून को साहिबगंज टाउन हॉल में झामुमो केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडे के आगमन को लेकर सभी को सूचित किया गया।सभी 22 पंचायत में 44 पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जिसकी देख रेख में मैपिंग का कार्य किया जाएगा।मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान,पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम,लखिराम हेंब्रम,एजाज अंसारी,प्रो हासिम अख्तर,चारलेश सोरेन, समदा सोरेन,बाबुधन टुडू, मुश्ताक अंसारी,कौशर अंसारी,मुन्ना अंसारी, अहमद हुसैन,संजय सोरेन, लड्डू भगत,इस्लाम अंसारी,सुनिता टुडू,खालिक आलम सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष सचिव एवं सम्मानित कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

तालझारी में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक संपन्न

अमित चौधरी प्रखंड अध्यक्ष व सूरज शेखर बने सचिव

संवाददाता

साहिबगंज/तालझारीः रविवार को तालझारी मिशन मैदान में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता अमित चौधरी के नेतृत्व में की गई,बैठक में साहिबगंज जिला से आए जे.जे.ए के निवर्तमान अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर मुख्य रूप से मौजूद थे।वही बैठक में कई विन्दुओ पर प्रस्ताव लिया गया। साथ ही उपस्थित पत्रकारों के सर्वसहमति से तालझारी प्रखंड के जे.जे.ए के अध्यक्ष अमित चौधरी को मनोनीत किया गया।साथ ही प्रखंड उपाध्यक्ष रिजवानुल हक,सचिव सूरज शेखर,संयुक्त सचिव गोविंद ठाकुर कोषाध्यक्ष फतेह आलम को बनाया गया है। बैठक में मुख्य रूप से पत्रकार हित के मुद्दे बेहद पैमाने पर सदस्यता अभियान,पत्रकार सुरक्षा,पत्रकार बीमा आदि मुद्दे पर भी चर्चा हुई। मौके पर अभिलेख मरांडी,रिजवानुल हक , कालीचरण मंडल,सूरज शेखर,संजय सिंह,फतेह आलम,गोविंद ठाकुर,रतन कुमार,रूपेश मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

मां बायसी प्रांगण से निकाली गयी भव्य कलश शोभायात्रा

संवाददाता

साहिबगंजः शतचंडी महायज्ञ के शुभ अवसर पर मां बायसी स्थान प्रांगण से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। माता-बहनों ने कलश लेकर बिजली घाट,ग्रीन होटल मोड़,चैती दुर्गा,फाटक, एसडीओ कोठी होते हुए औझा टोली घाट से पवित्र जल भरकर पुनः मां बायसी स्थान प्रांगण पहुंचेंगी। पूरे मार्ग में जय माता दी के जयकारों और भक्तिमय माहौल से वातावरण गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष संजय यादव,जुगनू पाठक,राजीव औझा,श्रीकांत औझा,आलोक औझा,कालू यादव,प्रेम लाल यादव सहित अनेक श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा।

7.88 ग्राम एमडीएमए ड्रग के साथ एक युवक गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाःपुलिस को नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है।राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर 7.88 ग्राम एमडीएमए ड्रग के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है।अपने कार्यालय कक्ष में राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और प्रशासनिक टीम ने संयुक्त रूप से उधवा ओवर ब्रिज के पास छापेमारी की।इस दौरान एक युवक को प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान पहाड़गांव निवासी फिरोज शेख 23 के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 7.88 ग्राम अवैध एमडीएमए ड्रग्स बरामद किया है।राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 6 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक को उधवा ओवर ब्रिज के पास अवैध रूप से मनोजेत्तेजक पदार्थ की खरीद-बिक्री होने की गुप्त सूचना मिली थी।सूचना की सत्यता जांचने और त्वरित कार्रवाई के लिए तत्काल एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।उधवा बीडीओ सह सीओ की मौजूदगी में राधानगर थाना पुलिस ने जैसे ही मौके पर दबिश दी पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा।मुस्तैद पुलिस बलों ने घेराबंदी कर उसे खदेड़कर पकड़ लिया।जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुआ। इस मामले को लेकर राधानगर थाना में कांड संख्या 198/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/27 के तहत मामला दर्ज कर आगे का अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने नशीले पदार्थों को जब्त करने के साथ ही आरोपी फिरोज शेख को विधिवत गिरफ्तार कर लिया और रविवार को उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।छापेमारी टीम में उधवा के अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,पुलिस अधिकारी पंकज कुमार दुबे,सुनील कुमार मेहता,हवलदार प्रहलाद मेहरा,आरक्षी दुलारचंद यादव सहित अन्य पुलिस बल

आरपीएफ का जांच अभियान जारी, छह लोगों से वसूला गया जुर्माना

साहिबगंज :मालदा रेल मंडल अंतर्गत साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में रविवार को आरपीएफ द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व आरपीएफ निरीक्षक गुलाम सरवर ने किया।

जांच के दौरान रेलवे नियमों का उल्लंघन करते हुए छह लोगों को पकड़ा गया। सभी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया तथा आवश्यक चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इस संबंध में आरपीएफ निरीक्षक गुलाम सरवर ने बताया कि रेलवे परिसर में सुरक्षा एवं नियमों के पालन को लेकर लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, अनधिकृत गतिविधियों में शामिल होने तथा रेलवे नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने यात्रियों एवं आम लोगों से रेलवे नियमों का पालन करने तथा रेलवे संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील की। आरपीएफ ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

दो ई रिक्शा की टक्कर में बुजुर्ग का पैर टूटा

साहिबगंजःजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के पश्चिमी रेलवे फाटक के समीप दो ई रिक्शा की टक्कर में एक ई रिक्शा चालक महादेवगंज निवासी तासुर खान 66 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों और ई रिक्शा चालक की मदद से उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया ।जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों ई रिक्शा विपरीत दिशा से आ रहे थे जिससे दोनों की टक्कर हो गई और बुजुर्ग तासुर खान की पैर टूट गया।

युवक की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी थाना क्षेत्र के गाढ़ाबासा स्थित मदन चक्की के समीप रविवार रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान फ्रांसिस बाकची उर्फ सोनू के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही गोलमुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार फ्रांसिस बाकची गाढ़ाबासा में स्वर्गीय कामेश्वर झा के मकान में किराये पर रह रहा था। स्थानीय लोगों और परिजनों ने बताया कि उसकी शादी परसुडीह के करनडीह क्षेत्र की एक युवती से होने वाली थी, जिसकी तैयारियां भी चल रही थीं। बताया जाता है कि वह पहले भी वैवाहिक संबंध में रह चुका था, जो बाद में समाप्त हो गया था। परिजनों के मुताबिक फ्रांसिस पिछले कुछ महीनों से आर्थिक तंगी, पारिवारिक जिम्मेदारियों और आगामी शादी के खर्चों को लेकर काफी तनाव में था। आर्थिक व्यवस्था करने के लिए उसने अपनी मारुति डिजायर कार बेचने की कोशिश की थी और बाद में करीब दो लाख रुपये में वाहन बेच दिया था। वह पहले एयरबेस लॉजिस्टिक्स में कार्यरत था और वर्तमान में गम्हरिया स्थित बीएमडब्ल्यू आईएसएल के यार्ड में काम कर रहा था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे एक भाई और एक बहन को छोड़ गया है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। गोलमुरी थाना प्रभारी संजय सुमन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुटी हुई है।

साकची गुरुद्वारा के कोषाध्यक्ष जसबीर सिंह गांधी का निधन, शोक की लहर

पूर्वी सिंहभूम : गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी साकची के कोषाध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह गांधी का सोमवार को निधन हो गया। वे 65 वर्ष के थे। कुछ दिनों से वे बीमार चल रहे थे और उनका इलाज रायपुर में चल रहा था। अपने पीछे उन्होंने तीन बच्चों का पूरा परिवार छोड़ा है। मिलनसार स्वभाव के जसबीर सिंह गांधी के निधन की सूचना मिलते ही जमशेदपुर के सिख समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी साकची के प्रधान सरदार निशान सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार जसबीर सिंह गांधी कमिटी के एक बेहद सक्रिय और समर्पित सदस्य थे।

उनका सहज और मिलनसार स्वभाव सभी को आकर्षित करता था। उनका अचानक चला जाना पूरे सिख समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। वाहेगुरु उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

उनका अंतिम यात्रा मंगलवार को उनके आवास से निकलेगी। अंतिम संस्कार मंगलवार सुबह 10:00 बजे किया जाएगा।

जमशेदपुर के विभिन्न सिख संगठनों और सामाजिक संगठनों ने सरदार जसबीर सिंह गांधी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मेहनत और लगन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है : सुदीप गुड़िया

खूंटी : युवा सरना समिति तपकारा और सनराइज इंडिजिनस सोशल कल्चरल हेरिटेज के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भारत माता कल्याण मंडप, तोरपा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुदीप गुड़िया, विशिष्ट अतिथि जुबैर अहमद तथा जिला परिषद सदस्य विरेन कंडुलना ने विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि सफलता मिलने पर उत्साहित रहना चाहिए, लेकिन अति उत्साह से बचना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि मेहनत और लगन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ सभी जरूरतमंद छात्रों को उठाना चाहिए। झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने छात्रों से अपनी उपलब्धियों को आगे भी बनाए रखने और उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दुलारी बारला ने की। मौके पर रोहित तानी, सुनील गुड़िया, अनिल गुड़िया, सेनेम गुड़िया, सुनिता गुड़िया, अमिसा बरला, हेरामबी गुड़िया, बिरसा कंडुलना, बंधन गुड़िया सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक लोग उपस्थित थे।

श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर डीटीओ की बस ऑनर्स एसोसिएशन के साथ बैठक

देवघर : विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले के सफल संचालन और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार की अध्यक्षता में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बस ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें और व्यावहारिक सुझाव रखे। बैठक में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बासुकिनाथ मार्ग पर बिना नियमित परमिट के दौड़ रहे टेम्पू और मैजिक वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की। उनका कहना था कि इन अवैध वाहनों के कारण दुर्घटनाओं और जाम का खतरा बना रहता है। इन पर रोक लगने से बसों का परिचालन सुव्यवस्थित होगा। इसके अलावा, एसोसिएशन ने श्रावणी मेले के दौरान क्लब ग्राउंड में अस्थाई बस पड़ाव बनाने का सुझाव दिया।

आमिर खान ने तीसरी शादी की खबर को कन्फर्म किया

आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी की खबर को गुरुवार को कन्फर्म कर दिया। आमिर की यह तीसरी शादी होगी। बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं इस समय अमेरिका में हूं। शादी की खबर सही है। हमारी शादी 5 जुलाई को होगी।' कुछ महीने पहले आमिर ने कहा था कि शादी उनकी प्राथमिकता नहीं है और वह गौरी के साथ ऐसे ही खुश हैं, लेकिन अब उनका कहना है कि समय के साथ दोनों की भावनाएं बदल गई हैं। आमिर ने कहा, 'अब हम दोनों को लगता है कि अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर ले जाने का समय आ गया है। उन्होंने आगे कहा, 'गौरी और मैं एक-दूसरे को लेकर सीरियस हैं। हम एक मजबूत रिश्ते में हैं। मेरे दिल में तो मैं खुद को पहले से ही उनका पति मानता हूं। अब इस रिश्ते को शादी का नाम देना हमारे साथ की एक स्वाभाविक अगली शुरुआत है।' आमिर ने पहली शादी साल 1986 में फिल्म प्रोड्यूसर रीना दत्ता से की थी। साल 2002 में रीना से अलग होने के बाद आमिर ने साल 2005 में डायरेक्टर किरण राव से दूसरी शादी की थी। साल 2021 में किरण और आमिर का तलाक हो गया था। आमिर ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली एक सैलून आंत्रप्रेन्योर और फैशन प्रोफेशनल हैं। उनके पिता तमिल-ब्रिटिश मूल के और मां पंजाबी-आयरिश मूल की हैं। गौरी 1920 के दशक में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ब्रिटिश कम्युनिस्ट फिलिप स्प्रैट की पोती हैं। आमिर की तरह गौरी भी पहले शादीशुदा रही हैं और उनका एक 7 साल का बच्चा है।

5 जुलाई को गर्लफ्रेंड गौरी से करेंगे शादी

2025 में रिलेशनशिप पब्लिक किया था

गौरी और उनका बच्चा पिछले दो साल से मुंबई में साथ रह रहे हैं। आमिर और गौरी एक-दूसरे को पिछले 25 सालों से जानते हैं। दोनों पहले काफी अच्छे दोस्त थे, जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। जब से आमिर और गौरी ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया है, तब से गौरी को अक्सर आमिर के साथ अलग-अलग इवेंट्स और मौकों पर साथ देखा जाता है।

सोनू निगम ने 'बेवफा सनम' के साथ अपनी 'शुरुआत' को याद किया

तीन दशकों से ज्यादा के करियर में कई सुपरहिट गाने देने वाले सिंगर सोनू निगम ने शुक्रवार को अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने 1993 की फिल्म 'बेवफा सनम' के गाने 'मोहब्बत की कीमत अदा हम करेंगे' की रिकॉर्डिंग के दिनों को याद किया। सोनू ने 1993 में मुंबई के प्रतिष्ठित फिल्मिस्तान स्टूडियो गोरेगांव में नंबर की रिकॉर्डिंग से तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरी शुरुआत। मोहब्बत की कीमत अदा हम करेंगे - बेवफा सनम 7 सितंबर, 1993 फिल्मिस्तान स्टूडियो गोरेगांव..' सोनू ने अपने करियर की शुरुआत 1990 के दशक की शुरुआत में की थी। फिल्म के लिए उनका पहला गाना 1993 में आजा मेरी जान का 'ओ आसमानवाले' था। उन्हें तलाश के टीवी सीरियल गाने 'हम तो छैला बन गए' और बाद में 'अच्छा सिला दिया', 'संदेशे आते हैं' और 'ये दिल दीवाना' गानों से पहचान मिली।

बचपन की यादों में खोई तृप्ति डिमरी, कहा- 'बहुत मार खाई है'

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर आज (4 जून) रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए। आईएएनएस से बातचीत में तृप्ति ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, 'जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, 'क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो। ' तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं। बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं। उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं। सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

'मेरी तुलसी' कहकर एकता कपूर ने स्मृति ईरानी पर लुटाया प्यार

अभिनेत्री-राजनेता स्मृति ईरानी और टेलीविजन की महारानी एकता कपूर ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को दो दशकों से अधिक पुरानी अपनी अटूट दोस्ती की झलक दिखाई है। एकता कपूर ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्मृति द्वारा साझा की गई एक पोस्ट को रीशेयर किया, जिसमें स्मृति ने एकता को उनके नए व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दीं। स्मृति के प्यार के लिए धन्यवाद देते हुए एकता ने कहा कि स्मृति का साथ उनके लिए गर्व की बात है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एकता ने लिखा, 'मेरी तुलसी, तुम्हारा साथ मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।' साथ में उन्होंने दिल वाले इमोजी भी लगाए। स्मृति ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'आप हमेशा से ही चमकती रही हैं, एकता कपूर और आज आपने दूसरों को भी अपनी चमक बिखेरने का मौका दिया... एक और सफलता के लिए बधाई। ' एकता ने स्मृति को मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में उनके किरदार के नाम से संबोधित किया।इस शो की बात करें तो इसका निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स ने किया था और इसका प्रीमियर 2000 में हुआ था। यह शो हिंदी टेलीविजन के सबसे सफल धारावाहिकों में से एक बन गया, जिसमें स्मृति द्वारा निभाए गए तुलसी विरानी के किरदार को भारतीय टेलीविजन के सबसे प्रिय किरदारों में से एक माना गया। पिछले कुछ वर्षों में स्मृति और एकता ने सोशल मीडिया पर दिल को छू लेने वाली पोस्ट के माध्यम से एक-दूसरे के प्रति प्रशंसा और सम्मान व्यक्त किया है। एकता के 50वें जन्मदिन पर स्मृति ने भारतीय टेलीविजन में निर्माता के योगदान और उनकी दशकों पुरानी दोस्ती का जश्न मनाते हुए एक भावुक नोट लिखा था, लेकिन खबरों के अनुसार, इन दोनों के बीच हमेशा से इतने अच्छे संबंध नहीं थे। 2000 के दशक के मध्य में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के सुनहरे दौर में रचनात्मक मतभेदों के कारण स्मृति ने कुछ समय के लिए शो छोड़ दिया था। उस दौरान, अभिनेत्री गौतमी कपूर को तुलसी विरानी की भूमिका निभाने के लिए लाया गया था।

अमिताभ बच्चन ने बताई जीवन में समस्याओं की अहमियत, बोले-

हमेशा तुरंत समाधान जरूरी नहीं

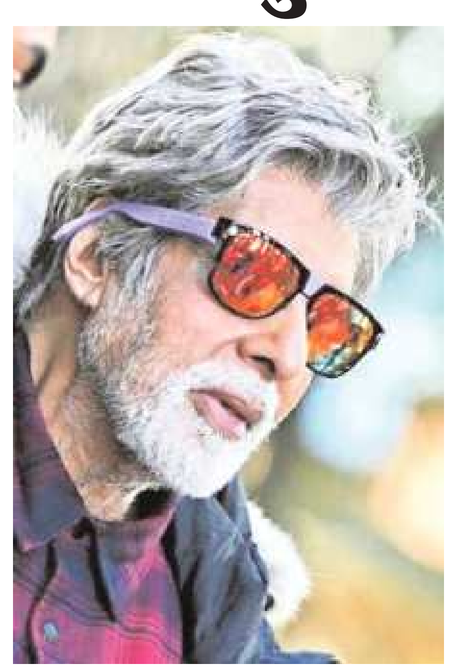

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के माध्यम से जीवन की अनिश्चितताओं और उनसे मिलने वाली सीख पर विचार साझा किए हैं। उन्होंने अपने फैंस को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी है। उनका कहना है कि समस्याओं का तुरंत समाधान करना हमेशा जरूरी नहीं होता, क्योंकि चुनौतियां व्यक्ति को अनुभव, समझ और सीख प्रदान करती हैं, जो आगे चलकर उसे अधिक परिपक्व और सक्षम बनाती हैं। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि समस्याएं जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उनसे घबराने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। उनका कहना है कि हर दिन इंसान को कुछ न कुछ नया सिखाता है। अमिताभ ने कहा, 'जब कोई समस्या मन को परेशान करती है, तो उससे उस समस्या का पूर्ण ज्ञान और अनुभव प्राप्त होता है और बदले में समझदार बनने का ज्ञान मिलता है। सीखने के लिए समस्या का होना जरूरी नहीं है, लेकिन अगर अगली बार ऐसी समस्या आती है, तो न केवल उसके समाधान के लिए, बल्कि उससे जुड़ी संभावनाओं और चुनौतियों से निपटने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। ' अभिनेता ने कहा, 'जीवन में ये अनिश्चितताएं और चुनौतियां ही जीवन को जीने योग्य बनाती हैं। सकारात्मकता के आवश्यक आत्मविश्वास के साथ ठीक है, बहुत ज्ञान बांट दिया... तो चलिए। ' अमिताभ बच्चन यानी बिग बी को आखिरी बार टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेट्टैयान' में देखा गया था। इस फिल्म में रजनीकांत, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, रोहिणी, राव रमेश, अभिरामी और रमेश तिलक ने अभिनय किया है।

इंडोनेशिया की निशानेबाजी टीम ने भारत में तीन माह का उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत की उभरती वैश्विक खेल प्रशिक्षण क्षमता को और मजबूती देते हुए गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन ने हाल ही में इंडोनेशिया की 16 सदस्यीय निशानेबाजी टीम और दो प्रशिक्षकों की मेजबानी की। यह तीन महीने का उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर पुणे और हैदराबाद स्थित प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित किया गया। 15 फरवरी से 15 मई तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में इंडोनेशिया के कई प्रमुख निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। इनमें लंदन 2012 ओलंपिक में भाग लेने वाली डियाज कुसुमावदार्नी और टोक्यो 2020 ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली विद्या

रफिका रहमत्तान तोय्यिबा भी शामिल रहीं। दल में ऐसे खिलाड़ी भी मौजूद थे जो एशियाई खेल आइचीझनागोया 2026 के लिए चयन की दौड़ में शामिल हैं। शिविर के दौरान इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने भारत के शीर्ष निशानेबाजों के साथ अभ्यास किया और प्रतिस्पर्धात्मक प्रशिक्षण वातावरण का अनुभव प्राप्त किया। खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाओं, खेल विज्ञान सहायता, उन्नत प्रदर्शन विश्लेषण तकनीक और अनुभवी प्रशिक्षण दल का लाभ मिला। दल ने खेलो इंडिया निशानेबाजी प्रतियोगिता झ 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। भारत की प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिताओं में शामिल इस आयोजन ने खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच मुकाबले का अनुभव दिया। गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन के संस्थापक गगन नारंग ने कहा कि उच्च प्रदर्शन खेलों में सहयोग, अनुभव साझा करना और अलग-अलग प्रशिक्षण वातावरण बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि उनके केंद्रों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे खिलाड़ियों का प्रशिक्षण लेना इस खेल तंत्र की गुणवत्ता को दशार्ता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान कार्यक्रम केवल विदेशी खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी लाभकारी होते हैं और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सकारात्मक परिणामों के बाद इंडोनेशिया निशानेबाजी संघ और गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन भविष्य में भी संयुक्त प्रशिक्षण शिविर और सहयोगी कार्यक्रमों की संभावनाओं पर काम करने की तैयारी कर रहे हैं।

मानव सुथार के ऐतिहासिक छह विकेट, अफगानिस्तान 152 पर ढेर, भारत ने दिया फॉलोऑन

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़ : बाएं हाथ के युवा स्पिनर मानव सुथार ने अपने पदार्पण मुकाबले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट झटके और अफगानिस्तान की पहली पारी को 152 रन पर समेटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत ने पहली पारी में 412 रन की विशाल बढ़त हासिल करने के बाद अफगानिस्तान को फॉलोऑन देने का फैसला किया। महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर में खेले जा रहे एकमात्र मुकाबले में मानव सुथार ने 33 रन देकर 6 विकेट लिए। इसके साथ ही वह पदार्पण मुकाबले में किसी भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने 46 वर्ष पुराना दिलीप दोशी का रिकॉर्ड तोड़ा। दोशी ने वर्ष 1979 में चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पदार्पण मुकाबले में 103 रन देकर 6 विकेट लिए थे। तीसरे दिन अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 113 रन से आगे खेलना शुरू किया। रहमत शाह और अजमतुल्लाह उमरजई ने संभलकर शुरूआत की, लेकिन भारत

ने जल्द ही दबाव बना लिया। प्रसिद्ध कृष्णा ने दिन की पहली सफलता दिलाई और उमरजई को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया।रहमत शाह ने 100 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और वह अफगानिस्तान की ओर से पचास रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे। इसके बाद मानव सुथार ने लगातार झटके दिए। उन्होंने शराफुद्दीन अशरफ को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। अगले ही ओवर में रहमत शाह और सलीम सफी को भी आउट कर अफगानिस्तान की वापसी की उम्मीद खत्म कर दी। जियाउर रहमान शरीफी ने मैदान पर आते ही छक्का लगाया, लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने उनका विकेट लेकर अफगानिस्तान की पारी समाप्त कर दी।भारत की ओर से मानव सुथार ने 6 विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को 3 विकेट मिले। वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट हासिल किया। मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव को कोई सफलता नहीं मिली। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल मलिक, सदीकुल्लाह अताल, रहमानुल्लाह गुरबाज और कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका।

किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी सरकार : मुख्यमंत्री

– बूढ़ी मां संग आई बेटी ने बीटेक की पढ़ाई करने के लिए लगाई गुहार, मुख्यमंत्री ने किया आश्वस्त

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह ह्यजनता दर्शनह्न किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए लोगों से उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। एक बच्ची ने मुख्यमंत्री से उच्च शिक्षा के लिए मदद की गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने लखनऊ के किसी संस्थान में प्रवेश दिलाने का आदेश दिया। पुलिस की अनसुनी व अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर सख्त मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया। लखनऊ की एक

बच्ची अपनी मां के साथ पहुंची। उसने बताया कि इंटरमीडिएट अच्छे अंक से उत्तीर्ण किया है। वह आगे बीटेक करना चाहती है लेकिन धन के अभाव में दिक्कत हो रही है। योगी ने उसकी मार्कशीट देखी, फिर कहा कि पढ़ाई पर ध्यान दो। आपका प्रवेश किसी अच्छे संस्थान में कराया जाएगा। सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी। सकारात्मक संदेश पाकर प्रफुल्लित बेटी व मां ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों ने मुख्यमंत्री से पुलिस की हीलाहवाली व अवैध कब्जे को लेकर उचित कार्रवाई न होने की शिकायत करते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने हर प्रकरण को सुना, फिर शासन के अफसरों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इन मामलों की मॉनीटरिंग करिए। पीड़ित को न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराइए। योगी ने पीड़ितों को जल्द ही समाधान के लिए आश्वस्त किया।

कुछ फरियादी ऐसे भी आए, जो सीधे ह्यजनता दर्शनह्न में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि आपने जनपद के किस अधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर उन फरियादियों ने कहा कि हम सीधे यहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मी बेतहाशा पड़ रही है। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और सबसे पहले अपनी शिकायतें जनपद, मंडल स्तर के अधिकारियों से करें। कई समस्याओं का समाधान वहीं से हो जाएगा।

बाधाएं न उत्पन्न की जाती तो नगर पंचायत में व्यापक स्तर पर दिखते विकास कार्य : बालेन्द्र

एजेंसी

बहराइच : उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच की नगर पंचायत पयागपुर के गठन के बाद तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर नगर पंचायत अध्यक्ष बालेंद्र श्रीवास्तव और पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर नगर पंचायत का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने बीते तीन वर्षों में कराए गए कार्यों, प्रस्तावित योजनाओं और भविष्य की विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए दावा किया कि नगर पंचायत क्षेत्र में लगभग 31 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत एवं प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें से कई कार्य पूर्ण हो चुके हैं जबकि अनेक परियोजनाएं विभिन्न चरणों में संचालित हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में पयागपुर नगर पंचायत को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श नगर के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

रविवार शाम को प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि नगर पंचायत पयागपुर के विकास की जो परिकल्पना जनता के सामने रखी गई थी, उसे साकार करने के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन राजनीतिक कारणों से अनेक योजनाएं प्रभावित हुईं। पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र की जनता विकास चाहती है, राजनीति नहीं। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत को मिलने वाली योजनाओं और संसाधनों का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है और भविष्य में भी विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर नगर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास के लिए क्षेत्रीय विधायक को अपना बड़प्पन दिखाते हुए विकास करो में सहयोग करना चाहिए और विकास कार्य में यदि कोई गड़बड़ी हो तो उसकी जांच कराए कार्य होने के पहले ही अड़ंगे बाजी करने के कारण विकास कार्य बाधित होते हैं जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है

मंत्री केदार कश्यप ने साहित्यकारों के सम्मान के साथ, तीन किताबों का किया विमोचन

एजेंसी

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और साहित्यिक विरासत को नई पहचान देने वाली तीन पुस्तकों का विमोचन वन मंत्री केदार कश्यप ने आज सोमवार को किया। कार्यक्रम में साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान देने वाले लेखकों, साहित्यकारों का सम्मान भी हुआ। इस दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्यकार डॉ. गीतेश अमरोहित सरस्वती बुक्स के प्रकाशक आकाश महेश्वरी मौजूद रहे।

केदार कश्यप ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में लेखकों की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकें वर्तमान पीढ़ी को जड़ों से जोड़ती हैं। आने वाली पीढ़ियों के

लिए भी ज्ञान का स्रोत बनती हैं। कार्यक्रम में बस्तर के वरिष्ठ साहित्यकार रुद्रनारायण पाणिग्रही को धुरवा पटका भेंटकर साहित्य लेखन, लोक संस्कृति के संरक्षण में योगदान के लिए स्मृति-चिह्न प्रदान किया गया। इसे साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उनके लंबे समय के काम की सराहना बताया गया। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस मौके पर रुद्रनारायण पाणिग्रही की पुस्तक 'बस्तर की लोक संस्कृति' का विमोचन किया।

स्वरोजगार की योजनाओं की जानकारी सभी तक पहुंचाएं : जरयाल

एजेंसी

धर्मशाला : उद्योग विभाग द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के रेजिंग एंड एक्सलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) कार्यक्रम के तहत पालमपुर स्थित एसडीएम कार्यालय में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों एवं स्वयं सहायता समूहों को डिजिटल साक्षरता, ब्रांड निर्माण तथा सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के माध्यम से सरकारी खरीद प्रक्रिया से जोड़ना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक ओम प्रकाश जरयाल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि रैम्प कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित ऐसी क्षेत्रीय कार्यशालाएं ग्रामीण

उद्यमियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों एवं एमएसएमई के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं, जैसे मुद्रा ऋण, स्टैंड-अप इंडिया, क्रेडिट गारंटी योजना तथा मार्केटिंग सहायता कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्षरता, ब्रांड निर्माण तथा जीईएम पोर्टल से जुड़कर स्थानीय उत्पाद न केवल हिमाचल प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने उद्यमियों को नियमित रिकॉर्ड रखने, डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने तथा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने की सलाह देते हुए कहा कि यही आधुनिक व्यवसाय की सफलता की कुंजी है। ओम प्रकाश जरयाल ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र में 50 लाख रुपये तथा सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये तक के ऋण की सुविधा उपलब्ध है। महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थियों को 35 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जाता है, जबकि सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को 25 प्रतिशत तक अनुदान मिलता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे इस जानकारी को अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अन्य लोगों तक भी पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।कार्यशाला में 30 से अधिक एमएसएमई इकाइयों एवं स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें पालमपुर क्षेत्र की महिला उद्यमी एवं सूक्ष्म उद्यमी प्रमुख रूप से शामिल रहीं। कार्यक्रम को तीन सत्रों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें अपने व्यवसाय को डिजिटल माध्यमों से विस्तार देने तथा सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने का स्पष्ट मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

सभी नागरिक न्यूनतम ईंधन खपत वाले साधनों का प्रयोग करें: सुरेश खन्ना

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को अपने साप्ताहिक संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विधानसभा स्थित अपने कार्यालय आने-जाने के लिए ई-रिक्शा का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों तथा खाड़ी देशों में जारी अस्थिरता के बीच ऊर्जा संरक्षण और पेट्रोलियम ईंधनों की बचत की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। श्री खन्ना ने नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा वैकल्पिक एवं स्वच्छ परिवहन साधनों को अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय दायित्व है। श्री खन्ना ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए सभी नागरिक यथासंभव न्यूनतम ईंधन खपत वाले साधनों का प्रयोग करें। छोटी दूरी की यात्राओं के लिए साइकिल, ई-रिक्शा, सार्वजनिक परिवहन अथवा अन्य वैकल्पिक साधनों को प्राथमिकता देकर न केवल पेट्रोलियम ईंधनों की बचत की जा सकती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय हित में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

स्वयंसेवक के व्यक्तित्व निर्माण में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका : मिथिलेश नारायण

एजेंसी

लखनऊ : स्वयंसेवक के व्यक्तित्व निर्माण में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है तथा परिवार और समाज के बीच सशक्त संबंध ही राष्ट्र जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मिथिलेश नारायण ने कही।

वह सरस्वती कुंज निरालानगर में रविवार रात्रि को कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम के कुटुम्ब-सहभोज कार्यक्रम में स्वयंसेवकों के लिए भोजन लेकर आए परिवारों को सम्बोधित करते हुए कही। मिथिलेश नारायण ने कहा कि परिवार सहभोज के माध्यम से संघ की उस भावना का भी प्रकटीकरण हुआ,जिसमें परिवार को समाज की मूल इकाई मानते हुए उसके संस्कार,संवाद और संगठन को महत्व दिया जाता है।

वर्ग कार्यवाह देवेन्द्र अस्थाना ने बताया कि कार्यक्रम में वर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों के परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह कार्यक्रम संघ के पंच परिवर्तन के अन्तर्गत चल रहे कुटुम्ब प्रबोधन कार्य की भावना को सशक्त करने वाला अवसर बना।

सहभोज में 200 परिवारों ने सहभागिता की

वर्तमान में इस वर्ग में संघ की दृष्टि से अवध प्रांत,कानपुर प्रांत,काशी प्रांत एवं गोरक्ष प्रांत के कुल 289 शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। परिवार सह भोज कार्यक्रम में लगभग 200 परिवारों ने सहभागिता की। इस अवसर पर लखनऊ महानगर के कार्यकर्ता अपने परिवार के साथ उपस्थित हुए तथा अपने परिवार के अतिरिक्त तीन अन्य शिक्षार्थियों के लिए भी भोजन लेकर आये। सभी परिवारों द्वारा लाए गए विविध व्यंजनों के साथ सामूहिक सह भोज का आयोजन हुआ,जिससे आत्मीयता,सहयोग और अपनत्व का वातावरण निर्मित हुआ।

कार्यक्रम के दौरान परिवारों को वर्ग की गतिविधियों,प्रशिक्षण की व्यवस्था तथा संघ कार्य के विभिन्न आयामों से परिचित कराया गया।

बिहार में अरवल-पटना नहर रोड़ पर सड़क दुर्घटना में पटना के चार युवक की मौत

अरवल : बिहार में अरवल-पटना नहर रोड स्थित गांधी मैदान के पास बीती देर रात पटना के चार युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब पांच युवक एक कार से अरवल से पटना लौट रहे थे। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नहर में जा गिरी। दुर्घटना में चार युवकों की डूबने से मौत हो गई, जबकि एक युवक को गंभीर हालत में बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा अरवल-पटना नहर रोड स्थित गांधी मैदान के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार काफी अधिक थी और अनुमानित गति करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा बताई जा रही है। सड़क पर मौजूद एक मोड़ के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके बाद कार सीधे नहर में जा गिरी। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की आवाज सुनते ही मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई। कुछ ही देर में पुलिस टीम और गोताखोर मौके पर पहुंच गए। नहर में डूबी कार को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। बचाव अभियान के दौरान कार के अंदर फंसे तीन युवकों के शव गोताखोरों की मदद से बाहर निकाले गए, जबकि चौथे शव को बाद में क्रेन की सहायता से निकाला गया। अरवल डीएसपी कुमार संजय ने बताया कि एक मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है ,शेष तीन के घर वालों को घटना की सूचना रात में ही दे दी गई थी। मृतकों में पहचाने गए तीन युवक में पटना के बिहटा निवासी रिशांक और मनोज के अलावा कंकड़बाग निवासी अमन शामिल हैं। चौथे मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। वहीं कार चला रहे रोहित को स्थानीय लोगों ने समय रहते बाहर निकाल लिया। गंभीर रूप से घायल रोहित को इलाज के लिए अरवल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण आज ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। टेक्नोलॉजी स्टॉक्स में आई जोरदार कमजोरी के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 695.15 अंक यानी 1.35 प्रतिशत टूट कर 50,866.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 200.57 अंक यानी 2.64

प्रतिशत लुढ़क कर 7,383.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा, नैस्डेक 1,121.53 अंक यानी 4.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,709.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.13 प्रतिशत यानी 50,798.51 अंक की गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 10,368.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,218.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा, डीएएक्स इंडेक्स 185.90 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,759.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 119.50 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,217 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 72.56 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,977.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत लुढ़क कर 1,571.32 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 371.71 अंक यानी 4.55 प्रतिशत फिसल कर 7,788.88 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,413.12 अंक यानी 3.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 64,175 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,449.35 अंक यानी 3.22 प्रतिशत लुढ़क कर 43,621.59 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 142.92 अंक यानी 2.55 प्रतिशत टूट कर 5,451.85 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.26 प्रतिशत उछल कर 3,976.83 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 288.95 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,673 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर हाई कोर्ट ने सीबीएसई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के 12वीं की परीक्षा में डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम में हुई गड़बड़ियों और ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) से जुड़ी शिकायतों की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीएसई को नोटिस जारी किया है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 12 जून को करने का आदेश दिया। यह याचिका नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की ओर से इसके अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने दायर की है। सुनवाई के दौरान सीबीएसई के वकील एमए नियाजी ने याचिका पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये सुनवाई योग्य नहीं है, क्योंकि ये एक राजनीतिक दल के छात्र संगठन ने दायर किया है। शिक्षा का इस तरह राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। इस पर एनएसयूआई के वकील ने कहा कि वे एक राजनीतिक दल से जुड़े हुए हैं, लेकिन ये इस बात की वजह नहीं हो सकती कि वे याचिका दायर करने के योग्य नहीं हैं। सीबीएसई ने कहा कि पोर्टल एक महीने के लिए नहीं खोला जा सकता। सीबीएसई छात्रों की समस्याओं पर विचार कर रही है। याचिका में कहा गया है कि जिन छात्रों के कम अंक आए हैं या स्पष्ट नहीं हैं, उन्हें अतिरिक्त नंबर दिए जाएं। याचिका में मांग की गई है कि वेरिफिकेशन के लिए नया विंडो, विवादित आंसर शीट की दोबारा फिजिकल जांच और 12वीं के रिजल्ट पर असर डालने वाली कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। याचिका में भविष्य के लिए डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम के लिए सही सुरक्षा उपाय, प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देश बनाने और लागू करने के निर्देश दिए जाने की मांग की गई हैं, ताकि ऐसी शिकायतें दोबारा न हो।

साकेत में इमारत गिरने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल, एमिकस क्यूरी ने एमसीडी को दोषी ठहराया

नई दिल्ली : दिल्ली के साकेत में इमारत गिरने के मामले पर उच्चतम न्यायालय में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की गई है। अवैध निर्माण को लेकर नियुक्त एमिकस क्यूरी ने रिपोर्ट दाखिल की है। एमिकस क्यूरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली नगर निगम की ओर से लगातार अनदेखी और लापरवाही की वजह से इमारत गिरी है। रिपोर्ट में भवन कानूनों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। रिपोर्ट में दिल्ली में अवैध निमार्णों के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई करने का सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट में हादसे की जवाबदेही तय करने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। रिपोर्ट में मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिलाने की मांग की गई है। रिपोर्ट में एमिकस क्यूरी का कहना है कि दिल्ली नगर निगम की लापरवाही की वजह से साकेत इलाके में बिल्डिंग गिरी जिसमें छह लोगों की मौत हुई। साकेत मेट्रो स्टेशन के पास 30 मई को सैदुलाजाब इलाके में पांच मंजिला इमारत गिर गई। इमारत पास की कैंटीन पर गिरी, जहां कई लोग खाना खा रहे थे। उन्हें संभलने का भी मौका नहीं मिला और वे मलबे के नीचे दब गए।

मुरादाबाद : सीआरएस पोर्टल ठप, चार दिन से नहीं बन रहे जन्म-मृत्यु पंजीकरण

मुरादाबाद : नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) पोर्टल पिछले चार दिनों से कार्य नहीं कर रहा है। जिसके चलते महानगर से लेकर ग्राम पंचायतों तक जन्म-मृत्यु का पंजीकरण ठप हो गया है और प्रमाणपत्र जारी नहीं हो पा रहे हैं।

नागरिक पंजीकरण प्रणाली पोर्टल पर ऑनलाइन जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। शहरी क्षेत्र में पंजीकरण के बाद नगर निगम जांच के बाद अग्रसारित करता है। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय तक अप्रूवल होता है। सीएमओ की ओर से प्रमाणपत्र को अंतिम स्वीकृति मिलती है। खास तौर पर 31 दिन से लेकर एक साल की आयु तक के बच्चों का जन्म पंजीकरण ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव स्तर से सत्यापित किया जाता है। ग्राम पंचायतों से मिली जानकारी के अनुसार, तीन दिनों से सीआरएस पोर्टल बंद है। जिसके कारण महानगर के साथ जिलेभर में कहीं भी पंजीकरण नहीं हो पा रहा है, न ही प्रमाण पत्र जारी हो पा रहे हैं। मामले में सोमवार को नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल का कहना है कि अभी मामला संज्ञान में आया है, अधिकारियों से इस मामले की जानकारी लेंगे, जल्द व्यवस्था को दुरुस्त कराया जाएगा।

बारात के रास्ते को लेकर विवाद में घायल युवक की मौत, पुलिस ने शुरू की आरोपितों की तलाश

देवरिया : उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र के विक्रमपुर बांसपार गांव में शादी समारोह के दौरान मारपीट में घायल एक युवक की मौत हो गयी। रास्ते से दूल्हे की गाड़ी निकालने को लेकर हुए झगड़े में घायल युवक ने इलाज के दौरान सोमवार को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस मामले में कार्रवाई में जुटी हुई है। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि 5 जून की रात गांव में एक शादी समारोह के दौरान दूल्हे की गाड़ी के आवागमन को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी विवाद में गांव के चिन्टू यादव, धनंजय, कमलेश और मुनीब ने राजीव कुमार पुत्र गौरीशंकर के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। परिजनों के मुताबिक मारपीट के दौरान आरोपितों ने राजीव कुमार को छत से नीचे फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी गर्दन की हड्डी टूट गई। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब मौत के बाद मामले में हत्या से संबंधित धाराएं भी बढ़ाई जा रही हैं। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। युवक की मृत्यु के बाद प्रकरण में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम सक्रिय है।

ट्रक की टक्कर से पिता की मौत , बेटा गंभीर घायल

कानपुर : उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में सचेंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को सड़क हादसे में पिता की जान चली गई, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा धर्मंगदपुर नहर पुल के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। उन्नाव जिले के असोहा क्षेत्र के बीजऊ गांव निवासी दयाशंकर शर्मा (58) अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। जब वे धर्मंगदपुर नहर पुल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर जा गिरे। हादसे में दयाशंकर शर्मा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

अवैध बालू का कारोबार बेरोक-टोक जारी गोइलकेरा से रातभर दौड़ते हैं सैकड़ों हाइवा

पश्चिमी सिंहभूम: जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बालू माफिया क्षेत्र से अवैध रूप से बालू का उठाव कर रातभर चलता है।

ग्रामीणों के अनुसार सूर्यास्त होते ही बालू लदे वाहनों की आवाजाही तेज हो जाती है और पूरी रात यह सिलसिला जारी रहता है। भारी वाहनों के लगातार परिचालन से सड़कों की स्थिति प्रभावित हो रही है, वहीं दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन और परिवहन से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है, जबकि नदी घाटों और पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसके बावजूद अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाने से माफियाओं के हौसले बुलंद बताए जा रहे हैं।

खरसावां में आदिवासी उरांव सरना समिति की बैठक, सामाजिक

खरसावां : मोसाडीह स्थित सरना चौक में आदिवासी उरांव सरना समिति की बैठक ग्राम प्रधान मंगला उरांव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज के सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के हर स्तर पर सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान आदिवासी उरांव समाज की रूढ़िगत परंपराओं, रीति-रिवाजों, कला-संस्कृति, भाषा-लिपि और कुड़ुख भाषा की पहचान को संरक्षित और सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने पर भी विचार किया गया। इसमें सामाजिक आयोजनों में आर्थिक बोझ कम करने के साथ साथ कर्जमुक्त समाज, नशामुक्त समाज, दहेजमुक्त विवाह व्यवस्था तथा बाल विवाह उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई।

संगठित और संस्कारित समाज के निर्माण पर चर्चा : बैठक में जन्म संस्कार, विवाह संस्कार एवं मरण संस्कार से जुड़े नेग नियमों के पालन को आवश्यक बताते हुए एक स्वस्थ और संगठित समाज के निर्माण पर बल दिया गया। मुखिया इंद्रजीत उरांव ने विवाह व्यवस्था, संस्कार एवं नेग-नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इन परंपराओं को समाज का मूल आधार बताते हुए सभी से सामाजिक नेग-नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संस्कारों और परंपराओं के अनुरूप जीवनशैली अपनाने से समाज में एकता, अनुशासन और सद्भाव मजबूत होता है। वहीं रीमा उरांव ने मरण संस्कार से जुड़े नियमों पर प्रकाश डाला। शिक्षा के महत्व पर शिक्षक हरेन उरांव ने विस्तृत जानकारी दी, जबकि शिक्षक भागरथी उरांव ने नशामुक्त समाज के निर्माण पर अपने विचार रखे। इस दौरान सामाजिक नेग नियमों का अनुपालन करने के प्रति भी समाज के लोगों को प्रेरित किया गया।

समाज में एकजुटता बनाए रखें, बच्चों को शिक्षित बनाए : वीरेंद्र उरांव कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जमशेदपुर के प्रभारी प्राचार्य वीरेंद्र उरांव ने समाज में एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। लोगों से मातृभाषा को बढ़ावा देते हुए अपने बच्चों को पढ़ा लिखा कर शिक्षित बनाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन बाबा कार्तिक उरांव पुस्तकालय के अध्यक्ष धर्मेंद्र उरांव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक हिरु उरांव द्वारा दिया गया।

बैठक में विभिन्न गांवों से पहुंचे थे उरांव समाज के लोग: बैठक में पंचायत समिति सदस्य रीमा उरांव, वार्ड सदस्य सुमन मिंज सुनिल कुमार टोप्पो, धरणीसेन उरांव, देबु उरांव, जयराम उरांव, पाहन सह ग्राम प्रधान बिर सिंह उरांव, मथुरा उरांव, गोविंद उरांव, धीरेन सेन उरांव, संतोष उरांव, काली चरण उरांव, मकुंद उरांव, कार्तिक उरांव, शालीग्राम उरांव, राधु उरांव, दशरथ उरांव समेत बिटापुर, सोखानडीह, शहरबेडा, नाराणडीह, सकुलटांड, कदमबेडा, बांधडीह, मोसोडीह, तेंतुलटांड, पदमपुर आदि गांव से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

गोड्डा सदर अस्पताल में शिक्षक की मौत पर बवाल, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

गोड्डा : जिला सदर अस्पताल में सोमवार की अहले सुबह इलाज के दौरान एक शिक्षक की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टरों और एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों के आक्रोश को देखते हुए ऑन-ड्यूटी चिकित्सक और नर्स मौके से फरार हो गए। बाद में नगर थाना पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। ?मृतक की पहचान मेहरमा थाना क्षेत्र के हुलूकपुर गांव निवासी 48 वर्षीय आशुतोष कुमार निराला (पिता- नौरंगी पंडित) के रूप में की गई है। आशुतोष कुमार निराला देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड क्षेत्र के एक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति महज 6 महीने पहले ही हुई थी। वह अपने पीछे पत्नी नीलम देवी, एक पुत्र और दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

रविवार शाम को अचानक गिरे थे आशुतोष : परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार की शाम को आशुतोष कुमार निराला के सीने में अचानक तेज दर्द हुआ और वह घर में ही गिर पड़े। आनन-फानन में परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहरमा ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद भी जब उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो परिजन रात करीब 2:30 बजे उन्हें मेहरमा से सदर अस्पताल गोड्डा के लिए लेकर रवाना हुए।

इंजेक्शन लगाते ही बिगड़ने लगी स्थिति: परिजनों ने बताया कि वे सुबह करीब 4:00 बजे सदर अस्पताल गोड्डा पहुंचे। वहां उन्होंने दरवाजा खटखटा कर चिकित्सक को जगाया। डॉक्टर ने मरीज की जांच करने के बाद नर्स को एक इंजेक्शन लगाने का निर्देश दिया। परिजनों का आरोप है कि नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने के तुरंत बाद ही आशुतोष की स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी। ?मरीज की हालत गंभीर होते देख चिकित्सकों ने उसे आनन-फानन में आईसीयू वार्ड में ट्रांसफर कर दिया। हालांकि, परिजन जब आशुतोष को लेकर आईसीयू वार्ड पहुंचे, तो वहां तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के कर्मियों और डॉक्टरों की घोर लापरवाही के कारण ही मरीज की जान गई है। सही समय पर सही इलाज मिलने के बजाय गलत कदम उठाए गए।

हंगामे के बाद डॉक्टर व एएनएम फरार, पुलिस ने संभाला मोर्चा: शिक्षक की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का धैर्य टूट गया और उन्होंने अस्पताल परिसर में ही हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते हंगामा इतना बढ़ गया कि खुद को घिरता देख मौके पर मौजूद चिकित्सक और एएनएम वार्ड से गायब हो गए। ?घटना की जानकारी तुरंत नगर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस के समझाने के बाद परिजन शांत हुए और बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को लेकर अपने पैतृक गांव हुलूकपुर के लिए निकल पड़े।

एचआईवी पॉजिटिव महिला ने पहचान छिपाकर कराया सिजेरियन, खुलासा होने पर अस्पताल में हड़कंप

संवाददाता

पलामू: जिले में मेदिनीनगर के सदर प्रखंड की एक एचआईवी पॉजिटिव महिला ने पहचान छिपाकर मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में प्रसव (सिजेरियन) कराने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। महिला और उसके साथ आए पति ने डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों से एचआईवी संक्रमित होने की बात पूरी तरह छिपाए रखी, जबकि दोनों लंबे समय से एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) की दवा ले रहे थे और उनका इस संबंध मेंग्रीन कार्ड' भी बना हुआ था।

इस खुलासे के बाद अस्पताल के डॉक्टर और सहयोगी स्टाफ के बीच हड़कंप मच गया। अस्पताल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार की सुबह महिला का ऑपरेशन हुआ। संयोगवश, प्रसव से पहले अस्पताल में की गई जांच में भी महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। इस संबंध में एआरटी सेंटर के कर्मियों ने बताया कि कभी-कभी लंबे समय तक नियमित रूप से दवा का सेवन करने के कारण (वायरल लोड कम होने से) रिपोर्ट नेगेटिव आ जाती है। मामले का खुलासा शनिवार शाम करीब 5 बजे हुआ, जब एआरटी सेंटर की एक महिला कर्मी को उक्त मरीज के प्रसव की जानकारी मिली।

अलर्ट मोड पर आया अस्पताल प्रबंधन : इसके बाद जब सख्ती से पूछताछ की गई, तो शाम करीब साढ़े 5 बजे मरीज के अटेंडेंट (पति) ने एचआईवी पीड़ित होने की बात स्वीकार की। बात सामने आते ही अस्पताल प्रबंधन तुरंत अलर्ट मोड पर आ गया। जन्म लेने वाले बच्चे को संक्रमण से बचाने के लिए तत्काल 'नेब्रापिन' दवा दी गई, जो संक्रमित माताओं से बच्चों में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए दी जाती है। फिलहाल जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। गाइनोकोलॉजिस्ट विभाग के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) प्रभारी अनूपा ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजकर 9 मिनट पर इस महिला का सिजेरियन प्रसव कराया गया था। ऑपरेशन के दौरान महिला या उसके परिजनों ने संक्रमित होने की कोई जानकारी नहीं दी। इस वजह से डॉक्टरों और सहयोगी स्टाफ ने सामान्य सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत ही प्रसव कराया। उन्होंने कहा कि अगर महिला ने यह बात पहले बताई होती, तो अस्पताल कर्मी विशेष सुरक्षा मानकों (पीपीई किट व अन्य अतिरिक्त सुरक्षा उपकरणों) को बढ़ाकर ऑपरेशन करते, जिससे स्टाफ की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती।

मरीजों की सुरक्षा को लेकर भी उठे सवाल: इस घटना के बाद अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे थे, जिस पर प्रबंधन ने स्थिति स्पष्ट की है। मेट्रन शिला कुमारी ने बताया कि एचआईवी पॉजिटिव महिला के सिजेरियन ऑपरेशन में जिन उपकरणों का प्रयोग किया गया था, उन्हें पूरी तरह अलग रखा गया है और उनका किसी दूसरे मरीज पर इस्तेमाल नहीं हुआ है। अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में प्रत्येक टेबल के साथ उपकरण भी अलग-अलग होते हैं। जिस वक्त इस महिला का ऑपरेशन चल रहा था, उसी दौरान दो अन्य टेबल पर भी दो मरीजों का ऑपरेशन हो रहा था, लेकिन सभी के लिए पूरी तरह अलग और सुरक्षित उपकरणों का उपयोग किया गया था, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एमएमसीएच के अधीक्षक डॉ। अजय कुमार ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने बताया कि जैसे ही इस संवेदनशील मामले की जानकारी मिली, तुरंत गाइनोकोलॉजिस्ट विभागाध्यक्ष, मेट्रन और एआरटी विभाग के काउंसलर को स्थिति पर कड़ी नजर रखने और समस्या का त्वरित व सुरक्षित समाधान करने का कड़ा निर्देश जारी किया गया। अस्पताल प्रशासन मरीज और बच्चे की सेहत के साथ-साथ स्टाफ की सुरक्षा को लेकर भी पूरी तरह सतर्क है।

चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में तेजी से हो रहा विकास, पेयजल संकट से भी मिली राहत

संवाददाता

चक्रधरपुर : विधायक सुखराम उरांव के प्रयासों से इस वर्ष चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के अधिकांश ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में पेयजल संकट की स्थिति नहीं बनी। गर्मी के मौसम में लोगों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए गए, जिससे आम लोगों को राहत मिली।

विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को भी गति मिली है। विभिन्न गांवों और पंचायतों में सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत कार्य कराया जा रहा है, जिससे आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है। इसके अलावा कई नदियों पर पुल निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है, जिससे बरसात के दिनों में होने वाली परेशानी दूर होगी और गांवों की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी।

विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। पेयजल, सड़क, पुल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं।

स्थानीय लोगों ने भी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सड़क और पुल निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही पेयजल व्यवस्था में सुधार होने से गर्मी के दिनों में लोगों को राहत मिली है। विधायक के प्रयासों से चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई तस्वीर देखने को मिल रही है।

धरती आबा बिरसा मुंडा का बलिदान

जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की अमर पुकारः बिट्टू पाठक

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस के अवसर पर मैं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य सचिव बिट्टू पाठक ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध संघर्ष की ऐसी अमर चेतना हैं, जिन्होंने आदिवासी समाज को अपने अधिकारों, अस्मिता और स्वाभिमान के लिए संगठित होने की प्रेरणा दी।

अल्पायु में ही उन्होंने अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध जो ऐतिहासिक संघर्ष छेड़ा, वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के स्वर्णिम अध्यायों में सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका उलगुलान केवल विद्रोह नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय समुदायों के अधिकारों की सशक्त घोषणा थी।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यह संदेश देता है कि समाज के अंतिम व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा तथा जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए निरंतर संघर्ष आवश्यक है। आज जब हम उनके बलिदान दिवस का स्मरण कर रहे हैं, तब उनके आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक समरसता, समानता और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

झारखंड की धरती को गौरवान्वित करने वाले महानायक बिरसा मुंडा का योगदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कांग्रेस पार्टी उनके विचारों और आदर्शों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराती है तथा आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार और विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त करती है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें। उनके आदर्श और संघर्ष सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहें।

चक्रधरपुर में सुमिता होता फाउंडेशन का भव्य रक्तदान शिविर

नगर परिषद अध्यक्ष ने किया उद्घाटन,47 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता

चक्रधरपुरः सेवा, सहयोग और समर्पण के उद्देश्य से सुमिता होता फाउंडेशन द्वारा रविवार को चक्रधरपुर नगर परिषद कार्यालय परिसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।उद्घाटन के बाद दोनों अतिथियों ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया तथा रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।शिविर में जमशेदपुर ब्लड बैंक की तकनीकी टीम द्वारा सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया गया। वहीं, स्वास्थ्य सेवा संस्था के सहयोग से सभी आगंतुकों की निःशुल्क शुगर एवं रक्तचाप (बीपी) जांच की गई। इसके अलावा पात्र लोगों के आयुष्मान भारत कार्ड एवं आभा कार्ड भी मौके पर बनाए गए।इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि चाईबासा का सरकारी ब्लड बैंक बंद रहने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रक्त की आवश्यकता पड़ने पर लोगों को जमशेदपुर जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है। उन्होंने जिला प्रशासन, उपायुक्त एवं सिविल सर्जन से चाईबासा ब्लड बैंक को शीघ्र पुनः संचालित करने की मांग की। उन्होंने सुमिता होता फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य एवं जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं।नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर मरीज की जान बचा सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि समाज में रक्त की कमी को दूर करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को आगे आना चाहिए। उन्होंने सुमिता होता फाउंडेशन के इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए कहा कि संस्था स्वास्थ्य जागरूकता और जनसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।रक्तदान शिविर के दौरान मुख्यमंत्री बाल योजना के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। योजना के तहत माता-पिता विहीन बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक प्रति माह 4,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं आय प्रमाण पत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई।शिविर में सुमिता होता फाउंडेशन के अध्यक्ष सदानंद होता ने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। आइए, मानवता की सेवा में भागीदार बनें – रक्तदान करें, जीवनदान दें। इस मौके जदयू जिला अध्यक्ष विश्राम मुंडा,लान्डूपोदा मुखिया कुश पूर्ति,डिक्की मंडल,समाजसेवी अनवर खान,विवेक कुमार, स्वपन कुमार मिस्त्री समेत काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कोवाली थाना प्रभारी पर मारपीट करने और एक लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप

एसएसपी से की गई शिकायत

जमशेदपुरः पोटका प्रखंड के कोवाली थाना क्षेत्र के हेंसड़ा गांव निवासी करण बेरा ने एसएसपी पीयूष पांडेय को आवेदन देकर कोवाली थाना प्रभारी मुकेश कुमार साव पर अपने पिता श्याम प्रसाद बेरा के साथ बेरहमी से मारपीट करने, एक लाख रुपये की रिश्वत मांगने और झूठे मामले में फंसाकर जेल भेजने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

आधी रात को घर से उठाकर थाना ले जाने का आरोपः करण ने आवेदन में बताया कि उनके 50 वर्षीय पिता श्याम प्रसाद बेरा शुगर और ब्लड प्रेशर के मरीज हैं। 06 जून की रात 12 बजे कोवाली थाना प्रभारी मुकेश कुमार साव उनके घर पहुंचे। उनके पिता पर गांजा का अवैध कारोबार करने का आरोप लगाया और उन्हें अपने साथ कोवाली थाना ले गये। जब वे भाईयों के साथ रात में कोवाली थाना पहुंचे, तो देखा कि थाना प्रभारी उनके पिता को बेरहमी से पीट रहे हैं। उनके पिता के दर्द से कराहने की आवाज थाना परिसर के बाहर तक साफ सुनाई दे रही थी। जब हमलोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, तो थाना प्रभारी ने गाली-गालौज की और डांटकर भगा दिया।

अगले दिन अस्पताल में भर्ती मिले पिताः अगले दिन सुबह जब हमलोग थाना पहुंचे, तो पता चला कि पिता पोटका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हैं, अस्पताल में पिता को स्लाइन चढ़ायी जा रही थी, पीड़ित पिता ने बेटों को बताया कि पुलिस ने रातभर उनकी पिटाई की है। हालत बिगड़ने पर पुलिस को उन्हें अस्पताल लाना पड़ा। एक लाख रुपये मांगने का आरोपः आरोप लगाया कि थाना प्रभारी मुकेश कुमार साव मामले को दबाने के लिए एक लाख रुपये मांग रहे थे। रकम नहीं देने पर उनके पिता को गांजा के झूठे केस में जेल भेजने की धमकी दे रहे थे। करण ने एसएसपी से केस की निष्पक्ष जांच कर न्याय की गुहार लगायी है।

कॉफी विद एसडीएम

गढ़वा में 10 जून को सजेगी 'चर्चा की मेज' पर्यावरण और सामाजिक संगठनों को बुलावा

चाय-कॉफी की चुस्कियों के बीच गढ़वा के विकास का रोडमैप तैयार होगा।

गढ़वाः प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को कम करने के लिए गढ़वा अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार की ओर से शुरू किया गया अनूठा संवाद कार्यक्रम कॉफी विद एसडीएम इस सप्ताह एक खास थीम के साथ आयोजित होने जा रहा है। आगामी बुधवार, 10 जून को होने वाली इस बैठक में जिले के तमाम सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे से अनुमंडल कार्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा, जहां

सामाजिक संगठनों को संवाद कार्यक्रम में आमंत्रण : संवाद कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए एसडीएम संजय कुमार ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है। सामाजिक और सामुदायिक कार्यों में जुटे संगठनों के पास जमीनी हकीकत का गहरा अनुभव होता है। उनके पास कई ऐसे नवाचारपूर्ण सुझाव होते हैं, जिनका उपयोग कर हम जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बना सकते हैं। इस कार्यक्रम के जरिए सभी प्रतिनिधियों को अपने विचार और सुझाव सीधे साझा करने का मंच मिलेगा। अनुमंडल प्रशासन ने गढ़वा और मेराल क्षेत्र के सभी इच्छुक सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और एनजीओ प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे बुधवार को निर्धारित समय (सुबह 11 बजे) पर अनुमंडल कार्यालय सभागार पहुंचकर इस संवाद को सफल बनाएं और गढ़वा के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।